संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 15
पृष्ठ 8
मंगलवार
01 अक्टूबर 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ठंड के मौसम में रूखी ....
विचार- स्वच्छ भारत अभियान का....
खेल- रोहित शर्मा ने छक्के....

सीएम योगी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला

इटली जाकर भारत को कोसते है राहुल : योगी

लखनऊ, एजेंसी। हरियाणा में चुनाव प्रचार करने गए सीएम योगी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब कोरोना संकट से देश जूझ रहा था तो हमारे नेता देश की जनता की सेवा में लगे थे लेकिन तब राहुल गांधी अपने नानी के घर थे। बता दें कि भिवानी जिले बवानी खेड़ा जिले में बीजेपी प्रत्याशी कपूर वाल्मीकि के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान सीएम ने कहा, वे कहते हैं कि अयोध्या में जब राम मंदिर के उद्घाटन चल रहा था तो नाच गाना चल रहा था, दरअसल उनका खानदान ही जिंदगी भर नाचगाना करता रहा। इसलिए हिंदुओं का अपमान करना, सनातन संस्कृति को कोसना और भारत के बाहर जाकर परंपरा व संवैधानिक संस्थाओं को खड़ा करके कांग्रेसी अपनी योग्यता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। जनसभा में सीएम योगी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब कोरोना संकट से देश जूझ रहा था तो हमारे नेता देश की जनता की सेवा में लगे थे लेकिन तब राहुल गांधी अपने नानी के घर थे। उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी दूसरे प्रदेश में जाते हैं तो पहले प्रदेश को कोसते है और विदेश में जाने के बाद वह भारत को कोसते हैं, कांग्रेस पार्टी ने आतंकवाद और अलगाववाद को बढ़ाने का काम किया है। कांग्रेस ने देश की संस्कृति को रौंदने का काम किया है। कांग्रेस ने देश को लूट कर दूसरे देश के बैंकों में पैसा जमा किया। संकट के समय कांग्रेस को इटली याद आती है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश का विभाजन कांग्रेस ने करवा। राम मंदिर बनने से कांग्रेस दुखी है। मंच से संबोधान के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कांग्रेस पार्टी पर भी जमकर बरसे और कहां की कांग्रेस के साथ विपक्ष से सवाल पूछे कि इन लोगों के एजेंडे में कोई भी वर्ग नहीं है,इनका एजेंडा बांटो राज करो का है।इन्होंने तो कश्मीर में धारा 370 लगाई थी। देश के पीएम नरेंद्र मोदी ने धारा 370 हटाकर आतंकवाद के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का काम किया है।कांग्रेस ने आतंकवाद और अलगाववाद को बढ़ाने का काम किया है।कांग्रेस के राहुल गांधी जहां जहां जाते है वहां –वहां दूसरे प्रदेश को कोसते है और इटली जाकर भारत को कोसते हैं। कांग्रेस के राज में देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं थी। आज पाकिस्तान और चीन भारत में घुसने का नाम नहीं लेते है।सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से दुश्मन का काम तमाम हमारे जवान करते है। अयोध्या में अब तो राम मंदिर भी बन गया है। बीजेपी की सरकार बनते ही सारे विवाद खत्म करवा दिए गए है।अयोध्या अब विकास के पथ पर है।हरियाणा में डबल इंजन की सरकार बनने पर विकास कार्यों में बहुत आगे बढ़ा है। विकास समान रूप से हर जिले में हो रहा है। उन्होंने एक बार फिर बीजेपी की सरकार बनाने की अपील की।

भाजपा ने किया हरियाणा का नॉन स्टॉप विकास : राजनाथ सिंह

● राजनाथ सिंह बोले- हम जो कहते हैं वह करके दिखाते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज दादरी में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि हरियाणा में पिछले दस वर्षों सबसे अधिक निवेश आया है। पहले यहाँ पर बड़ी संख्या में घरों में नल के माध्यम से जल नहीं पहुँचता था मगर आज हरियाणा के लगभग सभी घरों में जल जीवन मिशन के माध्यम से पानी पहुँच चुका है। उन्होंने कहा कि हमारा हरियाणा देश का वो राज्य है जो 24 फसलें को एमएसपी पर खरीदता है। इतना ही नहीं, बल्कि भाव का अंतर भी देती है और इसके लिए वह भावांतर योजना चलाती है। राजनाथ ने कहा कि किसानों के बैंक खातों में सीधे पैसे भेजने का काम भाजपा सरकार ने किया है। किसान सम्मान निधि के रूप में करीब सवा 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक किसानों के खाते में भेजे गये हैं। उन्होंने कहा कि हमने 2013 में इसी हरियाणा की धरती पर कहा था कि सरकार बनने पर व्व्c लागू करेंगे। भाजपा सरकार ने न सिर्फ वन रैंक वन पेंशन को लागू किया। यानि जो हम कहते हैं वह करके दिखाते हैं। अब हमने इसका तीसरा रिवीजन भी कर दिया है। कांग्रेस की सरकार थी, तो खर्ची और पर्ची के बिना नौकरी नहीं मिलती थी। हमने उस व्यवस्था को समाप्त किया है। सिंह ने कहा कि भाजपा ने हरियाणा का नॉन स्टॉप विकास किया है। यदि आप लोगों ने ग़लत बटन दबाया तो हरियाणा की यह जो लिफ्ट है, यह ऊपर जाने के बजाय बेसमेंट में चली जाएगी। इसलिए सही बटन दबाइए और हरियाणा को लिफ्ट कराइए। उन्होंने कहा कि दस साल से केंद्र में मोदीजी की सरकार है मगर एक भी मंत्री पर भ्रष्टाचार का दाग नहीं है।

अक्टूबर माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता विचार मंच देहरादून इकाई की जिलाध्यक्ष निशा अतुल्य जी को दिया जाएगा

प्रयागराज । हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति सम्मान अक्टूबर 2024 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी देहरादून इकाई की जिलाध्यक्ष निशा अतुल्य जी को दिया जाएगा। निशा अतुल्य जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30–35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार के लिये दी बधाई

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार दिये जाने को लेकर उन्हें बधाई दी है। मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार 08 अक्टूबर 2024 को 70वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान प्रेजेंट किया जाएगा।केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार दिए जाने का ऐलान किया है।केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर लिखा, मिथुन दा की सिनेमाई जर्नी ने हर जेनरेशन को इंस्पायर किया है। मैं ये ऐलान करते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि दादा साहेब फाल्के सेलेक्शन जूरी ने मिथुन चक्रवर्ती को इंडियन सिनेमा में उनके अहम योगदान के लिए सम्मानित करने का फैसला किया है। मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के फैसले का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वागत किया है। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, मुझे खुशी है कि श्री मिथुन चक्रवर्ती जी को भारतीय सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान को मान्यता देते हुए प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वह एक सांस्कृतिक प्रतीक हैं, जो अपने बहुमुखी प्रदर्शन के लिए पीढ़ियों से प्रशंसित हैं। उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं।

दिल्ली में मोदी नहीं, अडानी की सरकार है : राहुल गांधी

अंबाला, एजेंसी। राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा सरकार पहला कदम है। यहां बदलाव होगा लेकिन जब दिल्ली में सरकार आएगी तो मैं जानना चाहता हूं कि गरीबों की जेब में कितना पैसा जा रहा है और उनकी जेब से कितना पैसा निकल रहा है और मैं इसे छोड़ने वाला नहीं हूं। अंबाला में कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता राहुल गांधी ने एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा कि महिला शक्ति योजना के तहत महिलाओं के बैंक खातों में हर महीने 2000 रुपये जमा किये जायेंगे। एलपीजी सिलेंडर 500 रुपए में दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम सामाजिक सुरक्षा के लिए पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू करेंगे और विधवाओं, बुजुर्गों और विकलांगों के बैंक खातों में हर महीने 6000 रुपए जाएंगे। गारंटीशुदा एमएसपी दी जाएगी।

आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए कानून का शासन जरूरी : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि कानून के शासन के कारण ही देश में आर्थिक तथा सामाजिक विकास संभव है और कानून के शासन की बहाली में पुलिस सेवा का महत्वपूर्ण योगदान है। भारतीय पुलिस सेवा परिवीक्षाधीनों के एक समूह ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन में श्रीमती मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि अखिल भारतीय सेवाओं में से भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) का अपना एक महत्व है। उन्होंने कहा कि कानून और व्यवस्था न केवल शासन का आधार है बल्कि यह आधुनिक राज्य का भी आधार है। सरल शब्दों में कोई यह भी कह सकता है कि कई स्थानों और कई स्थितियों में वे साथी नागरिकों के लिए सरकार का चेहरा होंगे और वे राज्य की प्रशासनिक मशीनरी के साथ उनका पहला इंटरफ़ेस होंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि चूंकि भारत आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छूने का लक्ष्य रखता है, इसलिए पुलिस अधिकारियों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास और सामाजिक विकास केवल वहीं संभव है जहां कानून का शासन कायम है। कानून और व्यवस्था बनाए रखने, न्याय सुनिश्चित करने और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के बिना प्रगति एक अर्थहीन शब्द बन जाता है। श्रीमती मुर्मु ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि हाल के वर्षों में भारतीय पुलिस सेवा में महिला अधिकारियों की संख्या तेजी से बढी है। उन्होंने कहा कि उनकी बढ़ती संख्या पुलिसिंग के समग्र चरित्र को बेहतरी के लिए बदल सकती है, पुलिस–सामुदायिक संबंधों में सुधार कर सकती है और राष्ट्र के लिए भी फायदेमंद साबित होगी।

कम से कम देवताओं को तो राजनीति से दूर रखें : तिरुपति लड्डू विवाद पर न्यायालय

नई दिल्ली, एजेंसी। तिरुपति मंदिर लड्डू विवाद में उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि कम से कम देवताओं को तो राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। साथ ही उच्चतम न्यायालय ने जानना चाहा कि इस बात का क्या सबूत है कि तिरुपति लड्डू बनाने में दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने यह भी पूछा कि जब मामले की जांच के आदेश पहले ही दिए जा चुके हैं तो सार्वजनिक बयान देने की क्या जरूरत थी। पीठ ने कहा, ''कम से कम, हम उम्मीद करते हैं कि देवताओं को राजनीति से दूर रखा जाएगा।'' सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा कि यह आस्था का मामला है और अगर लड्डू बनाने में दूषित घी का इस्तेमाल किया गया है।

सीबीआई ने 32 ठिकानों पर छापेमारी कर 26 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली,एजेंसी। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साइबर अपराध नेटवर्क चलाने वाले गिरोह के अलग– अलग शहरों में 32 ठिकानों पर छापामारी करते हुए 26 लोगों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि एजेन्सी ने इस साइबर अपराध नेटवर्क के बारे में जानकारी मिलने के बाद 26 सितम्बर को विशेष अभियान चलाया था। एजेन्सी ने पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद और विशाखापत्तनम में 32 अलग–अलग स्थानों पर छापे मारकर तलाशी ली। सीबीआइ ने चार अवैध कॉल सेंटरों रीजेंट प्लाजा, पुणे में मेसर्स वी.सी. इन्फ्रोमेट्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड, मुरली नगर, विशाखापत्तनम में मेसर्स वी.सी. इन्फ्रोमेट्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद में मेसर्स वियाजेक्स सॉल्यूशंस और , विशाखापत्तनम में मेसर्स अटरिया ग्लोबल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड में चल रही ऑनलाइन आपराधिक गतिविधियों में शामिल 170 लोगों को रंगे हाथ पकड़ा और उनसे पूछताछ की। पूछताछ के आधार पर जांच एजेन्सी ने 26 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पुणे से 10, हैदराबाद से पांच और विशाखापत्तनम से 11 गिरफ्तारियां शामिल हैं। अवैध कॉल सेंटरों के कर्मचारियों से पूछताछ और जांच की जा रही है। सीबीआई ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 61 और 318, 2023 तथा 66–डी के साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 75 के तहत मामला दर्ज किया है। इन कार्रवाइयों के दौरान महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य और आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है। इस साइबर अपराध नेटवर्क द्वारा आपराधिक गतिविधि और पीड़ितों को धोखा देने के लिए उपयोग की जाने वाली इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, मोबाइल फोन, लैपटॉप, वित्तीय जानकारी, संचार रिकॉर्ड और आपत्तिजनक सामग्री सहित 951 वस्तुएं और 58 लाख 45 हजार रुपये नकद, लॉकर की चाबियां और तीन लग्जरी गाड़ियां बरामद की गई हैं।

रामराज्य में विरुज शरीर का रहस्य

प्रोफेसर मिथिलेश कुमार त्रिपाठी

भगवान श्रीराम के राज्य में किसी की अकाल मृत्यु नहीं होती थी। किसी को दैहिक, दैविक, भौतिक, आदि कोई भी पीड़ा नहीं व्यापती थी,यथा –
अल्प मृत्यु नहिं कवनिउ पीरा।
सब सुंदर सब बिरुज सरीरा।।

ऐसा इसलिए कि रामराज्य के राजा भगवान श्रीराम और रानी भगवती श्रीसीता थीं। श्रीराम का जन्म पुत्रेष्ठि यज्ञ से प्राप्त यज्ञचरु से हुआ था तो श्रीसीता जी का हल–कर्षण द्वारा धरती के उदर से। गूढ़ार्थ यह है कि श्रीराम ऋषि–संस्कृत की सृष्टि(उपज) थे और मॉ सीता जी कृषि–संस्कृति की। जन्म–कारण के अनुसार ही दोनों का स्वभाव–संस्कार और कार्य भी था।ष्कोटिन्ह बाजमेधि प्रभु कीन्हेष के अनुसार यदि भगवान श्रीराम ऋषि संस्कृति की उपज होने के कारण यज्ञादि ऋषिकर्म करते थे तो श्रीसीता जी कृषि संस्कृति के अनुकूल गृहकार्य आदि कृषिकर्म–षनिज कर गृह परिचरजा करईष। इसके विपरीत रावण और उसके परिजन संसारी अर्थात भोग और उद्योग–संस्कृत की उपज थे। ऋषि और कृषि संस्कृति के सम्मेल से यदि ष्वसुधैव कुटुम्बकम्ष अर्थात परिवारवाद का विकास होता है तो भोग और उद्योग संस्कृति से वैश्वीकरण तथा बाजारवाद विकसित होता है। एक से सादा जीवन और उच्च विचारों को बल मिलता है तो दूसरी से आडम्बरी जीवन और क्षुद्र विचारों को। एक सरस भाव– सम्वेदना का विकास करती है तो दूसरी शुष्क बुद्धिवाद का। एक प्रकृति (पर्यावरण) के प्रति पूज्य भाव विकसित करती है तो दूसरी हिंसक वृत्ति। एक से जीवन की शक्ति बढ़ती है तो दूसरी से क्षीण होती है। एक जोड़ती है तो दूसरी तोड़ती है। एक से विविध प्रकार के पारिवारिक व सामाजिक संबंधों का जन्म व विकास होता है तो दूसरी से इन सम्बन्धों का ह्रास एवं नाश होता है। सब सम्बन्धों के नाश के बाद केवल दो सम्बन्ध बचते हैं– क्रेता और विक्रेता के।

श्रीराम और श्रीसीता जी अर्थात ऋषि और कृषि संस्कृत के सहयोग से न केवल तत्कालीन त्रेता युग में सतयुग का अवतरण हुआ था, बल्कि धरती से आसुरी सत्ता का समूह संहार भी संभव हुआ था। इसके विपरीत भोग और उद्योगमयी अपसंस्कृति के कारण लंका में त्रेता काल में भी कलियुग का अच्छादन था, जिसके कारण वहॉ के लोग निरन्तर अशान्त और तनावग्रस्त रहते थे। आवेश और अवसादग्रस्तता के कारण उनकी जीवनशक्ति क्षीण हो गयी थी और वे बाहर से स्थूलकाय दिखने के बावजूद अन्दर से खोखले थे। इसीलिए थोड़ी ही देर की लड़ाई में राक्षस विचलित होने लगते थे और अभिनव शक्ति–संवर्धन के लिए रणभूमि से भाग कर यज्ञ करने लगते थे।

रामराज्य में ऋषि और कृषि संस्कृति का समन्वित रूप अयोध्या वासियों के आचरण में उतर गया था। इसलिए वहॉ की प्रकृति शान्त थी।संपूर्ण वातावरण में प्राणतत्व का सघन प्रवाह था। शान्त प्रकृति के बीच मानव– मन भी शान्त और तनाव–मुक्त–अतएव पूर्ण स्वस्थ था। स्वस्थ मन के कारण उनकी निर्विकार काया निर्बाध रूप से विकासशील रहती थी। प्राणाधिक्य के कारण अयोध्यावासियों के शरीर विशेष प्रभा से प्रभासित रहते थे। संक्षेप में प्रत्येक व्यक्ति के शरीर में जीवनशक्ति का आधिक्य था। दूसरे शब्दों में अयोध्यावासियों की काया अन्दर से इतनी मजबूत थी कि किसी भी प्रकार के रोगाणुओं का आक्रमण उसे प्रभावित नहीं कर पाता था।

ऋषि एवं कृषि संस्कृति द्वारा नियमित रामराज्य में अन्य अनेक श्रेष्ठ कर्मों के साथ–साथ छोटे–बड़े यज्ञों एवं अग्निहोत्रों का घर–घर संपादन होता रहता था। देश–विदेश के वैज्ञानिक अनुसंधान–निष्कर्षों द्वारा पता चला है कि यज्ञ के धुंए में वातावरण–संशोधन एवं प्राण–विवर्धन की असीम क्षमता होती है। वायुभूत सूक्ष्म अमृतोपम ओषधि– परमाणुओं के सघन आच्छादन के कारण रामराज्य की सीमा में पहले तो कोई रोगाणु–विषाणु पैदा ही नहीं होते थे, और यदि बाहर से आ भी जाते थे तो वहॉ के रोगरोधी परिवेश में अविलम्ब नष्ट भी हो जाते थे। इतने के बाद भी यदि वे श्वसन आदि द्वारा शरीर में पहुॅच भी जाते थे तो वहॉ की असीम प्रतिरोधी क्षमता द्वारा नष्ट कर दिए जाते थे। इसीलिए श्रीराम के राज्य में निवास करने वाले लोग कभी अल्प मृत्यु को प्राप्त नहीं होते थे ।उन्हें कोई पीड़ा भी नहीं व्यापती थी और उनका सुन्दर शरीर सदैव विरुज रहता था।

आज भी, मानव–समाज ऋषि एवं कृषि संस्कृति को अपने आचरण में उतार कर अपने अन्दर की प्रतिरोधी क्षमता का अप्रत्याशित विकास कर सकता है।ऐसा करके वह कलियुग में सतयुगी जीवन का आनन्द प्राप्त कर सकता है और सतयुगी सामर्थ्य–संपन्न प्राणवान मानव के लिए किसी भी प्रकार के साध्य–असाध्य रोग के घातक विषाणु कोई अर्थ नहीं रखेंगे।

ऋषि और कृषि संस्कृति का समन्वित रूप ही कथन–भेद से भारत की वह सनातन संस्कृति है, जिसने धरती पर सभ्यता के अनादि काल में ही आदिम पशुता के विरुद्ध सभ्य जीवन को जन्म और पोषण प्रदान किया था। आवश्यकता है हम अपनी मूल सांस्कृतिक धारा से सदैव सम्पृक्त रहें।

रामलीला से पहले सिंहासन के लिए 'महाभारत' थाने से हाईकोर्ट तक युद्ध लड़ रहीं कमेटियां

प्रयागराज। राजपाट को त्यागने का आदर्श प्रस्तुत करने वाले प्रभु श्रीराम की लीला के मंचन को लेकर कई जगह सिंहासन के लिए 'महाभारत' छिड़ी गई है। रामलीला प्रबंध समितियों का आंतरिक युद्ध थाने से लेकर हाईकोर्ट तक जारी है। राम अपने पिता राजा दशरथ के वचन को निभाने के लिए बिना विरोध राजमहल छोड़कर 14 वर्ष के वनवास पर चले गए थे। मनाने के बावजूद नहीं लौटने पर भरत उनकी खड़ाऊं लेकर अयोध्या लौट आए थे। उसे राजगद्दी पर विराजित कर राजकाज चलाया था। वहीं, विडंबना देखिए कि रामलीला के जरिये उनके आदर्शों को जनता तक पहुंचाने वाले खुद ही लड़ रहे हैं। फिलहाल, अब अदालत ही बताएगी कि पितृ पक्ष के बाद शुरू होने वाली रामलीला और दशहरे के मेले का आयोजन कौन करेगा। ये तीन केस तो सिर्फ बानगी हैं। 48 साल पुरानी अल्लापुर बाघंबरी क्षेत्र की रामलीला का मंचन दो अक्तूबर से शुरू होगा। आयोजन का जिम्मा बाघंबरी क्षेत्र श्री रामलीला कमेटी पर है, लेकिन प्रबंध समिति में अध्यक्ष पद को लेकर केशवनाथ मिश्र और ओम नारायण त्रिपाठी में रार ठनी है। 2024–2025 के लिए दोनों अपनी–अपनी 21 सदस्यीय प्रबंध समिति के पंजीकरण के लिए जुलाई में सोसाइटी रजिस्ट्रार के कार्यालय में आवेदन किए थे। निबंधक ने मामला उपजिलाधिकारी, सदर को संदर्भित कर दिया। फैसला सुनाते हुए एसडीएम ने ओम नारायण त्रिपाठी की कमेटी पर मुहर लगा दी। जबकि, केशवनाथ मिश्र ने एसडीएम के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। मामला 30 सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। वहीं, ओम नारायण त्रिपाठी का आरोप है कि पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष केशवनाथ मिश्र की ओर से अभी तक उन्हें समिति के दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। कमेटी के खाते में मात्र 1700 रुपये मिले हैं। दो सौ साल पुरानी प्रयागराज की दारागंज रामलीला कमेटी काली नृत्य और स्वांग को लेकर दुनियाभर में मशहूर है। कमेटी को लेकर छिटपुट विवाद तो हमेशा रहा, लेकिन इस बार आंतरिक युद्ध थाने से लेकर अदालत तक पहुंच चुका है। कमेटी के महामंत्री रहे रवींद्र गिरि और अध्यक्ष राजेंद्र यादव उर्फ कुल्लू यादव के गुट के बीच कमेटी में वर्चस्व को लेकर तनातनी जारी है। रवींद्र ने कमेटी का नवीनीकरण न होने को आधार बनाकर मौजूदा कमेटी की वैधता पर सवाल खड़ा किया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने अध्यक्ष राजेंद्र यादव उर्फ कुल्लू यादव के नेतृत्व वाली कमेटी के पक्ष में फैसला सुनाया। इसके बाद नवीनीकरण हो गया। रामलीला भी शुरू हो चुकी है। लेकिन, चुनाव को लेकर दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाया है। सौ साल पुरानी हाथरस की सासनी रामलीला कमेटी में चुनाव को लेकर विवाद कई वर्षों से चल रहा है। मामला पहले प्रशासनिक अधिकारियों, सोसाइटी पंजीकरण कार्यालय पहुंचा था, लेकिन अब हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। विवाद दाऊ दयाल शर्मा और सुधीर कुमार अग्रवाल के बीच वर्ष 2013–2014 में शुरू हुआ। दोनों पक्षों के विवाद में रिसीवर भी नियुक्त हुए। हालांकि, सुधीर कुमार अग्रवाल की अर्जी पर रिसीवर नियुक्ति का आदेश निरस्त हो गया। उसके बाद वर्ष 2019 में चुनाव हुआ तो सुरेश चंद्र शर्मा अध्यक्ष और कृमल कुमार वार्ष्णेय महामंत्री बने।

सुरेश शर्मा के निधन के बाद लीलाधर शर्मा की अध्यक्षता में इस वर्ष रामलीला का आयोजन हो रहा है। वहीं, कमेटी के मंत्री लोकेश शर्मा ने बताया कि रामलीला कमेटी की याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दाऊ दयाल की एसडीएम की अदालत में लंबित अर्जी को छह माह निस्तारित करने का आदेश दिया है।

सोरांव की बेटी रेशमा का सोने पर कब्जा, इंडियन ओपन एथलेटिक्स में किया कारनामा

प्रयागराज। पटना के पाटिलपुत्र स्टेडियम में चल रही फोर्थ इंडियन ओपन अंडर–23 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में सोरांव की बेटी रेशमा पटेल ने वॉक रेस में सोने पर कब्जा जमाया है। 20 किलोमीटर की वॉक रेस तय करने में रेशमा को एक घंटा 44 मिनट 37 सेकंड का समय लगा। वहीं, राजस्थान की निकिता लांबा ने दूसरा और मध्य प्रदेश की प्रमिला सज्जनवार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सोरांव के नहर ददौली के तिली का पूरा की रहने वाली रेशमा (20) प्रतियोगिता में सबसे कम की खिलाड़ी थीं। रेशमा, अंतरराष्ट्रीय एथलीट और यूथ ओलंपियन इंद्रजीत पटेल की छोटी बहन है। पिता विजय बहादुर पटेल व मां निर्मला पटेल ने गांव में मिठाई बांट कर बेटी की जीत का जश्न मनाया। रेशमा वर्तमान में वाराणसी में उत्तर प्रदेश पुलिस में सेवा दे रहीं हैं। रेशमा ने 14 साल की उम्र में अंडर–16 के नेशनल रिकॉर्ड की बराबरी की और फिर इसके बाद अंडर–19, अंडर–20 का भी नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया। 2019 में नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चौंपियनशिप गुंटूर में 3000 मीटर में गोल्ड मेडल, 2021 में नेशनल जूनियर एथलेटिक्स गुवाहाटी में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इसके अलावा 2021 में फेडरेशन कप में नए रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण व इसी वर्ष चौथी इंटरनेशनल वॉक रेसिंग रांची में भी स्वर्ण पदक रेशमा ने जीता था। पदक जीतने के बाद रेशमा ने कहा कि सफलता को हासिल करने की एकमात्र कुंजी है,

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के सामने चले लात-घूंसे विधायक मोना मिश्रा को संविधान सम्मान सम्मेलन के मंच से नीचे उतरना पड़ा

प्रयागराज। प्रयागराज में कांग्रेस के संविधान सम्मान सम्मेलन में मारपीट हो गई। इस दौरान मंच पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडेय भी मौजूद थे। उनके सामने कार्यकर्ता एक–दूसरे पर लात–घूंसे बरसाने लगे। घटनाक्रम रविवार को फूलपुर विधानसभा क्षेत्र में हुआ। दरअसल, फूलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है। इसको लेकर कांग्रेस की ओर से संविधान सम्मान आयोजित किया गया था। टिकट की उम्मीद में कई कांग्रेस नेता समर्थकों के साथ कार्यक्रम में पहुंचे। कुछ समर्थक नारेबाजी करते हुए मंच पर चढ़ने का प्रयास करने लगे। कुछ लोगों ने जब इसका विरोध किया, तो विवाद बढ़ गया। कार्यकर्ताओं ने 2 युवकों को बुरी तरह से पीट दिया। कार्यक्रम में शामिल कुछ लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।

दीवाली/छठ पर्व के अवसर पर विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये दीवाली/छठ पर्व के शुभ अवसर पर निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या 09013/09014 उधना-छपरा विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 09013 उधना - छपरा			गाड़ी संख्या - 09014 छपरा - उधना	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	07:00 (शनि)	उधना	08:15 (मंगल)	----
06:55 (रवि)	07:00	मानिकपुर	09:05	09:10
09:00	09:05	प्रयागराज छिवकी	07:00	07:05
10:05	10:10	मिर्जापुर	05:30	05:35 (सोम)
19:30 (रवि)	----	छपरा	----	22:30 (रवि)

गाड़ी संरचना - सामान्य श्रेणी- 02, स्लीपर श्रेणी- 12, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 03 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

उधना से : गाड़ी संख्या 09013, प्रत्येक शनिवार, दिनांक 05, 12, 19, 26 अक्टूबर 2024 एवं 02, 09, 16, 23, 30 नवम्बर 2024

छपरा से : गाड़ी संख्या 09014, प्रत्येक रविवार, दिनांक 06, 13, 20, 27 अक्टूबर 2024, 03, 10, 17, 24 नवम्बर 2024 एवं 01 दिसम्बर 2024

गाड़ी संख्या 09457/09458 अहमदाबाद-दानापुर विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 09457 अहमदाबाद - दानापुर			गाड़ी संख्या - 09458 अहमदाबाद - दानापुर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	08:25 (रवि)	अहमदाबाद	03:00 (बुध)	----
01:05	01:10	ग्वालियर	08:15	08:20
02:00	02:02	सोनी	06:10	06:12
03:38	03:40	इटावा	05:12	05:14
05:25	05:30	गोविन्दपुरी	03:35	03:40
06:33	06:35	फतेहपुर	02:13	02:15
08:30	08:40	प्रयागराज जं.	01:05	01:10 (मंगल)
09:40	09:45	मिर्जापुर	23:54	23:56
15:00 (सोम)	----	दानापुर	----	18:10 (सोम)

गाड़ी संरचना- सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-12 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-02

अहमदाबाद से : गाड़ी संख्या 09457, प्रत्येक रविवार, दिनांक 06, 13, 20, 27 अक्टूबर 2024 एवं 03, 10, 17, 24 नवम्बर 2024

दानापुर से : गाड़ी संख्या 09458, प्रत्येक सोमवार, दिनांक 07, 14, 21, 28 अक्टूबर 2024 एवं 04, 11, 18, 25 नवम्बर 2024

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1715/24(A)

डॉक्टर की मौत में असिस्टेंट प्रोफेसर समेत तीन पर हत्या का केस, आरोपियों में गर्लफ्रेंड भी

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर कार्तिकेय श्रीवास्तव की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। उनकी बहन ने हत्या का शक जताते हुए संस्थान के ही एक असिस्टेंट प्रोफेसर व दो जूनियर डॉक्टरों पर केस दर्ज कराया है। इनमें डॉक्टर की सहपाठी महिला मित्र भी शामिल है। बहन अदिति का आरोप है कि सीनियर डॉक्टर शिवम गुप्ता उनके भाई को प्रताड़ित करते थे। इस बात की शिकायत के बावजूद असिस्टेंट प्रोफेसर सचिन यादव ने कोई कार्रवाई नहीं की। यही नहीं उन्होंने प्रताड़ित भी किया। उधर जूनियर डॉक्टर अनामिका पर आरोप है कि उसने डॉक्टर कार्तिकेय को अपमानित किया। डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। जांच पड़ताल कराई जा रही है। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के जूनियर रेजिडेंट कार्तिकेय श्रीवास्तव (27) एसआरएन अस्पताल के पार्किंग एरिया में अपनी कार के भीतर मृत पड़े मिले थे। कार में एनेस्थीसिया में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन के दो वायल और सिरिंज मिली हैं। घटना को लेकर पहले आत्महत्या की आशंका जाहिर की गई थी। कार्तिकेय मूल रूप से जिला कोटद्वार उत्तराखंड के रहने वाले थे और मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में जूनियर रेजिडेंट–2 के पद पर तैनात थे। शनिवार रात 10रू30 के करीब वह अपनी कार में मृत पड़े मिले थे। सूचना पर डीसीपी नगर अभिषेक भारती व अन्य अफसर पहुंच गए। प्रारंभिक छानबीन और दोस्तों से पूछताछ में यह बात भी सामने आई है कि वह कुछ दिनों से डिप्रेशन में चल रहे थे। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए।

इंडोस्कोपी विधि से संभव है डायबिटीज का इलाज, पिछले दो वर्ष से हो रहे रिसर्च के परिणाम सकारात्मक

प्रयागराज। मधुमेह से पीड़ित मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। टाइप–2 डायबिटीज का इलाज इंडोस्कोपी विधि से किया जा सकता है। पिछले दो वर्षों से चल रहे रिसर्च के परिणाम सकारात्मक है। रविवार को इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन की 25वीं एएमए कॉन–2024 में हैदराबाद के एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी के चेयरमैन डॉ. नागेश्वर रेड्डी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, छोटी आंत में एक उपकरण लगाने से पाचन क्रिया मध्यम हो जाती है और हार्मोन की मात्रा को नियंत्रण करती है। उनके मुताबिक, अभी तक जो परिणाम आए हैं वह सकारात्मक हैं। नई दिल्ली एम्स के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी विभाग के डॉ. प्रमोद गर्ग ने डॉ. अनूप त्रिपाठी ओरेशन के तहत पैंक्रियाटाइटिस पर अपने व्याख्यान में बताया कि अग्नाशयशोथ पेट के पीछे स्थित अग्न्याशय की सूजन है। यह पाचन एंजाइम और इंसुलिन का उत्पादन करती है। यह तीव्र या दीर्घकालिक हो सकता है। यह पित्त पथरी या अत्यधिक शराब के सेवन के कारण होता है। उन्होंने बताया कि समय से इलाज कराने पर क्रोनिक अग्नाशयशोथ से संबंधित दर्द को रोका जा सकता है। जोधपुर एसएन मेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील दाधीच ने बताया कि जलोदर पेट में तरल पदार्थ जमा होने से होता है। यह अक्सर सिरोसिस के कारण होता है। सिरोसिस है और वजन तेजी से बढ़ रहा है तो अपने चिकित्सक से परामर्श लेना जरूरी है। जलोदर के उपचार के लिए आहार में सोडियम को सीमित रखना जरूरी है। सेमिनार में लगभग 450 चिकित्सक शामिल हुए। इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. कमल सिंह, सचिव डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. अनूप चौहान, डॉ. अशोक अग्रवाल, डॉ. शार्दूल सिंह, डॉ. आरकेएस चौहान, डॉ. अनिल शुक्ला, डॉ. राजेश मौर्या सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

यूपी में बुलडोजर और फर्जी एनकाउंटर से कुचला जा रहा संविधान, कांग्रेस देगी मुंहतोड़ जवाब

प्रयागराज। यूपी में बुलडोजर राज और फर्जी एनकाउंटर के द्वारा संविधान को कुचला जा रहा है, लेकिन कांग्रेस ऐसा कतई नहीं होने देगा। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान में समानता और सभी वर्गों को न्याय दिलाने के लिए अधिकार दिया हैं। जिसकी रक्षा करने के लिए कांग्रेस का एक–एक कार्यकर्ता अपनी आखिरी सांस तक लड़ते रहेंगे। यह बातें रविवार को सहसों के लाला बाजार में आयोजित कांग्रेस के संविधान सम्मान समारोह व जन सभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडेय ने कहीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार में माता–बहनें असुरक्षित हैं। महंगाई और बेरोजगारी चरम पर हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि देश में ओबीसी, दलित और आदिवासी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जाति जनगणना बेहद जरूरी है। कार्यकर्ता बूथ स्तर पर मजबूती बनाएं जिससे आने वाले फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में गठबंधन पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ सके। हम राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का संदेश लेकर हम सब यहां आए हैं। राष्ट्रीय महासचिव राजेश तिवारी ने कहा कि फूलपुर उपचुनाव सहित पूरे प्रदेश में मजबूती के साथ चुनाव लड़ेंगे और संविधान को बचाने के लिए जरूरत पड़ी तो अपने प्राणों की भी बाजी लगाएंगे। कार्यक्रम को सांसद अमेठी किशोरी लाल शर्मा, सांसद प्रयागराज उज्जवल रमण सिंह, विधायक मोना मिश्रा, शेखर बहुगुणा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में जिलाध्यक्ष सुरेश यादव ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। मौके पर मनीष मिश्र, मकसूद खान, संजय तिवारी, रामकिशुन पटेल, देवराज उपाध्याय, अशफाक अहमद, हलीम अंसारी, मुकुंद तिवारी, हरकेश तिवारी, गुलाब यादव, इमरान खान, इश्तियाक अहमद, प्रदीप मिश्रा, अंशुमन, अरुण तिवारी रहे। सहसों में आयोजित कांग्रेस के संविधान सम्मान समारोह में उस समय भगदड़ मच गई जब फूलपुर उपचुनाव के दावेदारों के समर्थकों के बीच मारपीट शुरू हो गई। फूलपुर विधानसभा का उप चुनाव होना है। इस सीट पर कांग्रेस ने दावेदारी ठोकी है। इसके लिए कई दावेदार जोरआजमाइश कर रहे हैं। रविवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय की मौजूदगी में दावेदारों के समर्थकों में जंग छिड़ गई। दोनों तरफ से लात, घूंसे के साथ कुर्सियां टकराने लगीं। इससे सभास्थल पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना को मंच से उतकर बीच बचाव के लिए जाना पड़ा। आराधना ने दोनों पक्षों को शांत कराने के बाद उनके साथ ही नीचे कुर्सी पर बैठीं। इसके बाद मामला शांत हुआ। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया है।

तलाक के केस में तीसरा पक्षकार नहीं बन सकता वैवाहिक विवाद दंपति के बीच का मामला है, इलाहाबाद हाईकोर्ट की अलीगढ़ केस में टिप्पणी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा– वैवाहिक विवाद दंपति के बीच बना रहता है। हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13 बी के तहत तलाक की कार्यवाही में किसी अन्य को पक्षकार बनने की अनुमति नहीं दी जा सकती। हाईकोर्ट

ने माना कि तलाक की कार्यवाही (वैवाहिक विवाद) केवल विवाह के पक्षकारों के बीच होती है। कोई तीसरा व्यक्ति हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13 बी के तहत कार्यवाही में पक्षकार बनने की मांग नहीं कर सकता है। न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति दोनादी रमेश की पीठ ने कृति गोयल की अपील पर आदेश पारित करते हुए कहा कि वैवाहिक विवाद उस जोड़े के बीच का विवाद ही रहता है, जो अपने वैवाहिक रिश्ते में मुश्किलें महसूस कर रहे हों। प्रतिवादी, जो पक्षकारों (पति और पत्नी) के लेनदार थे, उन्होंने आपसी सहमति से तलाक के लिए दायर की गई कार्यवाही में पक्षकार बनने की मांग की थी। प्रतिवादियों ने दलील दी कि चूंकि उन्हें पैसे मिलने थे, इसलिए उन्हें लगा कि पक्षों के बीच अलगाव से उनके अधिकारों पर असर पड़ेगा। पत्नी ने प्रिंसिपल जज, फैमिली कोर्ट, अलीगढ़ के उस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दाखिल की जिसमें उन्हें पक्षकार बनाने की अनुमति दी गई थी। हाईकोर्ट ने कहा कि यद्यपि तलाक से पक्षकारों के कुछ नागरिक अधिकार बदल सकते हैं, लेकिन आपसी सहमति से तलाक की कार्यवाही में तीसरे पक्ष को कभी भी पक्ष नहीं बनाया जा सकता। हाईकोर्ट ने अपील को यह कहते हुए मंजूर कर लिया गया कि विवाह विच्छेद के बाद भी प्रतिवादी अपने दावों के हकदार बने रहेंगे।

प्रयागराज में पूर्व ब्लॉक प्रमुख को गोली मारने पर FIR बेटे ने तीन नामजद सहित एक अज्ञात पर कराया मुकदमा, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर में पूर्व ब्लाक प्रमुख राधेश्याम पटेल को रविवार दोपहर दो नकाबपोश बदमाशों ने गोली मार दी थी। इस मामले में घायल पूर्व ब्लाक प्रमुख के बेटे बलवंत सिंह की तहरीर पर पुलिस ने महरूपुर थाना उतराव निवासी सचिन, सलेमपुर अतरौरा निवासी बच्चा पटेल, बसंत लाल पटेल के साथ एक अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल थाना अध्यक्ष उतराव पंकज त्रिपाठी आरोपियों की तलाश में जुटे हुए हैं। उनका कहना है कि निर्दोष को जेल नहीं भेजा जाएगा जांच कर दोषी पाए जाने पर दोषी सलाखों के पीछे होगा। उन्होंने कहा पुलिस हर पहलूओ पर जांच – पड़ताल कर रही है। पूर्व ब्लाक प्रमुख का इलाज प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में चल रहा है जहां हालत नाजुक बताई जा रही है। बदमाशों ने उनके पेट में गोली मारी थी।

सड़क दुर्घटना में घायल सिमरन का काटा गया हाथ प्रयागराज के मेजा में 6 दिन पहले हुआ था हादसा, शिवसेना की प्रदेश सचिव ने की आर्थिक मदद

प्रयागराज। मेजा के समहन गांव में 24 सितंबर को 15 साल की छात्रा सिमरन बुरी तरह से घायल हो गई थी। स्कूल से

लौटते समय डंपर ने रौंद दिया था जिसमें एक छात्रा रिद्धि की मौत हो गई थी और सिमरन बुरी को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया था। काफी प्रयास के बावजूद उसका दाहिना हाथ डॉक्टरों को काटना पड़ा। रविवार को नीम सराय के निजी अस्पताल में उसका ऑपरेशन किया गया। उधार, शिवसेना की प्रदेश सचिव रूचि तिवारी अस्पताल पहुंचीं और मां–बाप से मुलाकात कर 20 हजार रुपये की आर्थिक मदद भी की। उन्होंने कहा, कि वह बेटी के साथ हैं, अन्य लोग भी आगे आकर हरसंभव मदद करें। सिमरन के पिता बलोराम का करीब एक साल पहले ही निधन हो गया था। वह चार भाई–बहनों में दूसरे नंबर की है। वहीं अस्पताल संचालक की ओर से 4.20 लाख रुपये का बिल तहसील प्रशासन को सौंप दिया गया है। "क्ड मेजा दशरथ कुमार ने बताया कि सिमरन के इलाज में जो भी खर्च होगा वह मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलेगा।

गृहस्थी का सामान मलबे में दबा, बेघर हो गया परिवार, अफसरों को दी सूचना

प्रयागराज के बहरिया इलाके में तेज बारिश से एक मकान ढह गया। कई कमरों का कच्चा मकान ढहने से गृहस्थी का

सामान मलबे में दब गया। हादसे में बड़े लाल गुप्ता जख्मी हो गए। पूरा मकान ढह जाने से परिवार बेघर हो गया। मलबा हटाकर गांव के लोगों ने कुछ सामान बाहर निकाला। मामले की सूचना अधिकारियों को दी गई है। प्रयागराज के बहरिया विकास खंड के वीरगंज गांव में सोमवार सुबह हादसा हुआ। प्रयागराज में कई दिनों से तेज बारिश हो रही है। लगातार बारिश की वजह से जर्जर मकानों को नुकसान पहुंच रहा है। वीरगंज के रहने वाले बड़े लाल गुप्ता का कच्चा घर तेज हवा और भारी बारिश के वजह गिर गया। गनीमत रही कि जब मकान ढहा परिवार के लोग पीछे के सुरक्षित स्थान पर थे। मामले की सूचना अधिकारियों के साथ ही हल्का लेखपाल विनय सिंह को दी गई है। बड़े लाल गुप्ता के पिता मोती लाल 2010 में गांव के प्रधान रह चुके हैं। बंटवारे में बड़े लाल के हिस्से में यह मकान आया था।

क्विज प्रतियोगिता से बच्चों में सीखने के सकारात्मक वातावरण का सृजन होगा : राजेश यादव

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा।

प्रयागराज। बीआरसी उरुवा के सभागार में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज के आदेशानुसार उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने,वैज्ञानिक मनोवृत्व का विकास करने,प्रयोग के अवसर उपलब्ध कराने तथा विज्ञान,गणित एवं प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत उरुवा ब्लाक के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं कस्तूरबा आवासीय विद्यालय की ब्लॉक स्तरीय विज्ञान आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को किया गया। क्विज प्रतियोगिता में विकास खंड उरुवा के सभी उच्च प्राथमिक परिषदीय विद्यालयों ने प्रतिभा किया। खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा राजेश यादव ने सभी प्रतिभागी बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि यह क्विज प्रतियोगिता हमारी याददाश्त को परखने में कही ज्यादा काम करती है। यह हमें नए विचारों को तलाशने,गंभीरता से सोचने और मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि जब आप प्रतिस्पर्धा करते है तो याद रखें कि हर सवाल कुछ नया खोजने का अवसर है। आपका उत्साह और सीखने की उत्सुकता ही सबसे ज्यादा मायने रखती है। 28 सितंबर को आयोजित ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में कुल 117 बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिसके पहले राउंड में कुल 25 बच्चें सफल हुए फिर अंतिम राउंड में पांच–पांच बच्चों को जिला स्तर के लिए चयनित किया गया। प्रतियोगिता के परिणाम के आधार पर विकास खंड स्तर पर शीर्ष पांच स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को जनपद स्तरीय क्विज प्रतियोगिता एवं पांच बच्चों को विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने के लिए चयनित किया गया है। प्रतियोगिता विज्ञान एआरपी सुनील शुक्ला के संयोजन में तथा एआरपी राजेश मिश्रा, प्रीतम दास व विमलेश यादव की देखरेख में सकुशल संपन्न हुआ। खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा राजेश यादव द्वारा सभी 117 प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण–पत्र, स्टेशनरी, पेन, ज्यामिटी बॉक्स, कलर, पेन, कॉपी आदि पुरस्कार प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया गया और सभी बच्चों को खाना खिलाया गया। जनपद स्तरीय क्विज प्रतियोगिता हेतु महक शर्मा कोटहा, स्वाती तिवारी लोहारी, सुहानी भारतीया नीबी, प्रतीक त्रिपाठी बिगहनी, हर्ष वर्मा चौकठा नरवर तथा मॉडल प्रदर्शनी हेतु शिवम विश्वकर्मा टिकुरी, अंशिका निषाद व अनन्या निषाद चौकी, प्रिया यादव लोहारी तथा तहजीब कस्तूरबा आवासीय विद्यालय का चयन जनपद स्तरीय राष्ट्रीय अविष्कार अभियान योजनान्तर्गत आयोजित प्रतियोगिता के लिए किया गया है। अंत मे समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा राजेश यादव ने जनपद स्तर पर चयनित सभी बच्चों को प्रमाण–पत्र, मोमेंटो व व्यक्तिगत पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उसके पश्चात उसी दिन बीआरसी उरुवा के सभागार में शनिवार 28 सितंबर 2024 को दोपहर 2 बजे से बीईओ उरुवा की अध्यक्षता में विभागीय कार्यों के सम्पादन एवं समीक्षा हेतु ब्लॉक के सभी परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं इंचार्ज प्रधानाध्यापकों की एक मासिक बैठक आहूत की गई थी और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। उक्त अवसर पर संदीप पांडेय, दिवाकर दत्त मिश्रा, चित्रा शुक्ला, राघवेंद्र सिंह, अजय ओझा, शिप्रा, स्तुति श्रीवास्तव, अखिलेश दुबे, अनुज श्रीवास्तव, संजय त्रिपाठी, गीता यादव, गिरीश कुमार सिंह, सरस्वती द्विवेदी, पंकज अग्रवाल, प्रतिभा अवस्थी, राजेश कोलहा, बृजेश शुक्ला, रामेश्वर प्रसाद, रेखा पांडेय व अरबिंद पांडेय आदि संख्या में सभी परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक मौजूद रहे।।

भयहरण नाथ धाम में आयुर्वेद चिकित्सा एवं योग शिविर आज १ अक्टूबर को

प्रतापगढ़। आयुष (आयुर्वेद) विभाग प्रतापगढ़ द्वारा प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में १ अक्टूबर दिन मंगलवार को आयुर्वेद चिकित्सा एवं योग शिविर का आयोजन सुबह १० बजे से १ बजे होगा। यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव

समाज शेखर ने बताया की क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी प्रतापगढ़ डॉ त्रिभुवन राम के मार्गदर्शन में प्रभारी चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय छितपालगढ़ डॉ अवनीश पांडेय के संयोजन में कुशल टीम द्वारा परामर्श व उपचार तथा औषधि बितरण निशुल्क होगा। इस अवसर पर कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र नीरज के संयोजन में स्थानीय व्यवस्था होगी। कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, सचिव कार्यक्रम आलोक बैरागी आदि सहयोग प्रदान करेंगे। अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व संरक्षक मुख्य पुजारी भोला नाथ तिवारी व देवी प्रसाद मिश्र ने सभी से अवसर का लाभ लेने की अपील की है।

कौड़िहार क्षेत्र के बहोरिकपुर गांव में पंड़ित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई......

कौड़िहार,। कौड़िहार क्षेत्र के बहोरिकपुर प्राथमिक विद्यालय बूथ संख्या 309 पर स्वर्गीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गयी। कार्यक्रम में बूथ अध्यक्ष बहोरिकपुर अनिल कुमार श्रीवास्तव ,बूथ अध्यक्ष अरईसपुर कमलेश मोहन मिश्र सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की चित्र पर मला फूल चढ़ाए एवं उनके राजनीतिक योगदान को बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मंडल अध्यक्ष पांडेश्वर नाथ धाम उर्मिला शुक्ला ने की। इस दौरान भाजपा सदस्यता अभियान भी चलाया गया जिसमें कई लोगों ने ऑनलाइन भाजपा सदस्यता ली ।

हिंदी है मेरी भाषा लिपि देवनागरी

देवों के नगर से आई देवनागरी ,
सबको बांधती एक डोर में,
विविध कलाओं को अपने छोर में,
सूर, तुलसी,जायसी की तान है हिंदी।

भाषा को जानना हमारा राष्ट्रधर्म है,
सुखमय जीवन के लिए करना सत्कर्म है,
जब कभी तूफानों में कश्ती फंसी होगी,
उस दिन बनेगी दृढ़ता से पतवार ये हिंदी।

वेदों की रक्षा करने ब्राह्मी थी आई,
संविधान में राजलिपी कहलाई,
देववाणी संस्कृत शोभा थी तब पाई,
चंद के रासो की टंकार है हिंदी।

अंबर में जब तक सूरज चांद चमके,
मेरी हिंदी भाषा के मल्हार रहे गूंजते,
हमारी अस्मिता व आन बान शान है हिंदी,
पन्नों के बीच आज शोभायमान है हिंदी।

अनामिका तिवारी 'अन्नपूर्णा'

नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन

प्रयागराज ससीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के बीएएलएलबी(एच.) पाठ्यक्रम में 2024–25 बैच के नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए एक ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से परिचित कराया और संस्थान में उनका स्वागत किया तथा जीवन में उच्च शिक्षा की भूमिका पर चर्चा की। सत्र की सह–अध्यक्षता चीफ प्रॉक्टर डॉ. अर्चना त्रिपाठी और छात्र कल्याण डीन एवं प्राक्टर(विधि विभाग) डॉ. अमित मिश्रा ने की। पाठ्यक्रम समन्वयक श्रीमती रेनू सिंह ने विद्यार्थियों को कॉलेज में मौजूद विभिन्न शैक्षणिक और पाठ्येतर शिक्षण सहायता प्रणाली के बारे में बताया। डॉ हरिदर्शन त्रिपाठी

ने बीएएलएलबी पाठ्यक्रम के महत्व तथा पाठ्यक्रम उपरांत अवसरों एवं संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि बीएएलएलबी पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद छात्र न्यायिक सेवा , विधि व्यवसाय , कॉर्पोरेट क्षेत्र , संसद में विधि एसोसिएट श सरकार के विभिन्न विभागों में विधि अधिकारी विधि अनुवादक आदि के रूप में अपना करियर बना सकते हैं। डा बबीता श्रीवास्तव ने विधि तथा दर्शनशास्त्र के संबंध पर चर्चा की। डॉ प्रमोद कुमार ने समाजशास्त्र के विधि से संबंध पर चर्चा की। श्री हिमांशु उपाध्याय ने ध्यान केंद्रित कर पढ़ाई करने की हिदायत दी।श्री विनय त्रिपाठी ने महाविद्यालय के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को बताते हुए कहा कि2025 में महाविद्यालय अपने 75 वर्ष पूर्ण कर रहा हैऔर उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया। बीएएलएलबी की समन्यवक श्रीमती रेनू सिंह ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति श कॉलेज के एनसीसी और एनएसएस इकोसिस्टम के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनुश्री पांडे ने किया। बच्चों को यह जानकारी दी गई कि बीएएलएलबी प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 1 अक्टूबर, 2021 से विधि विभाग के बीएएलएलबी(एच.) ब्लॉक में सुबह 09: 00 बजे से शुरू होंगी।

एनयूजे ने भगतसिंह जयंती पर दी श्रदाजँली किया वृक्षारोपण

श्रदेय भगत सिंह के अखंडभारत समृदशाली भारत के सपनो साकार करना हम सब की जिम्मेदारी : डॉ0 सुशील अध्यक्ष के पी ट्रस्ट

हम अपनी जिम्मेदारियो का इमान्दारी से निवॅहन करे यही होगी सच्ची श्रदाजँली : मनीष कुमार सिंह पीआरओ एनसीआर

प्रयागराज। भारी बरसात के बीच नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज इकाई ने अपने पूवॅ घोषित कार्यक्रम शेरे हिन्दुस्तान अमर शहीद भगतसिंह की जयंती पर श्रदाजँली सभा तथा भगत सिंह स्मृति मे वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया आजादी के आंदोलन के महान क्रांतिकारी अमर शहीद भगतसिंह के स्मृति मे वृहद वृक्षारोपण मुख्य अतिथी शहर के प्रसिद चिकित्सक तथा एशिया के सबसे बडे शैक्षणिक ट्रस्ट के पी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा मनीष कुमार सिंह पीआरओ एनसीआर अरूण श्रीवास्तव उपाध्यक्ष के पी ट्रस्ट विमलेश मिश्रा अध्यक्ष शहीद भगत सिंह स्मारक समीति जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव संरक्षक पवन दिवेदी संरक्षक परवेज आलम संयोजक कमल कुमार श्रीवास्तव महामंत्री राजीव कुमार सिंह राजेश कुमार दूबे वरिष्ठ अधिवक्ता हाई कोटॅ तथा एनयूजे के सभी पदाधिकारी तथा सदस्यो ने वृक्षारोपण किया तत्पशचात एक श्रदाजँली सभा आयोजित किया गया जो देर रात्रि तक चला । इस कॉयक्रम के मुख्य अतिथी शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सक तथा एशिया के सबसे बडे द्रस्ट के पी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा थे तथा विशिष्ट अतिथी मनीष कुमार सिंह जन सम्पकॅ अधिकारी उतर मध्य रेलवे थे ।

सवॅप्रथम मुख्य अतिथी डॉ सुशील कुमार सिन्हा विशिष्ट अतिथी मनीष कुमार सिंह राजेश कुमार दूबे समेत एनयूजे प्रयागराज के सभी पदाधिकारियो तथा गणमान्य व्यक्तियो ने अमर शहीद भगतसिंह के चित्र पर श्रदा सुमन अर्पित कर नमन किया । श्रदाजँलि सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथी डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने कहाँ कि आदरणीय भगतसिंह ने देश के आजादी के लिए देश तथा देशवासियो के लिए अपने आपको देश पर न्यौछावर कर दिया इससे बडा देश के लिए कोई त्याग और बलिदान हो ही नही सकता है । भगतसिंह जी का सपना था अखंडभारत मजबूत भारत समृदशाली भारत का निमाणॅ जो हम सब मिलकर इनके सपनो को साकार करे । मेरा अपील है देश का युवा श्रदेय भगतसिंह जी देशप्रेम एवं त्याग और बलिदान के शिक्षा ले । श्रदेय भगतसिंह जी ने अंग्रेजी सरकार के पूंजीवादी ब्यवस्था का जोरदार बिरोध किया था जिससे डर कर अंग्रेज यह समझ गए अब भारत मे शासन करना किसी भी किमत पर सम्भव नही है । हम सब जहाँ भी रहे जिस पद पर रहे वहाँ पूंजीवादी ब्यवस्था को न पनपने दे । श्रदेय भगतसिंह जी सच्ची श्रदाजँली तभी होगी जब देश का युवा अखंडभारत समृदिशाली भारत के निमाणॅ मे अहम भूमिका निभाए तथा पूँजीवादी ब्यवस्था को न पनपने दे । विशिष्ट अतिथी मनीष कुमार सिंह पीआरओ एनसीआर ने श्रदाजँली सभा को सम्बोधित करते हुए कहाँ कि श्रदेय भगत सिंह ने देश तथा देशवासियो के लिए अपना बलिदान दिया हम सब को श्रदेय भगतसिंह जी के देश तथा देश के प्रति त्याग और बलिदान से शिक्षा लेते हुए श्रदेय भगतसिंह जी की सच्ची श्रदाजँली तभी होगी जब हम सब अपनी जिम्मेदारी इमान्दारी तथा लगन से करे । जब हम इमान्दारी और लगन से कायॅ करेगे तो देश विकास के मागॅ पर अग्रसर होगा यही हमारी सच्ची श्रदाजँली होगी श्रदेय भगत सिंह जी की । एनयूजे प्रयागराज जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने श्रदाजँली सभा को सम्बोधित करते हुए कहाँ कि श्रदेय भगतसिंह की सच्ची श्रदाजँली तभी होगी जब हम सब इमान्दारी निष्ठा के साथ निषपक्ष खबरे सिफॅ देशहित मे ध्यान मे रख कर लिखे जिससे राष्ट मजबूत हो यही हमारी सच्ची श्रदाजँली होगी । पवन दिवेदी संरक्षक एनयूजे प्रयागराज ने श्रदाजँली सम्बोधित करते हुए कहाँ कि श्रदेय भगतसिंह जी सच्ची श्रदाजँली तभी होगी जब हम सब देश के कमजोर करने वाली खबरो न लिखे उसी खबरो को लिखे जिससे देश के जनता मे देशभक्ती की भावना को जागृत करे । परवेज आलम संरक्षक एनयूजे प्रयागराज ने श्रदाजँली सभा को सम्बोधित करते हुए कहाँ कि हम सब खबर लिखते समय देशहित सर्वोपरि रखे देशहित को ध्यान मे रखते हुए खबरे लिखे क्योकि हमारी खबरे आम जनमानस मे देशभक्ती के भावना को जागृत कर सके यही हमारी सच्ची श्रदाजँली महान देशभक्त श्रदेय भगतसिंह के प्रति सच्ची श्रदाजँली होगी । श्रदाजँली सभा मे एनयूजे प्रयागराज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश चद्रं श्रीवास्तव ने श्रदेय भगतसिंह के त्याग और बलिदान पर विस्तृत जानकारी दी साथ ही अपनी कविता के माध्यम से श्रदेय भगतसिंह श्रदाजँली दी । श्रदाजँली सभा का संचालन एनयूजे के प्रयागराज संयोजक कमल कुमार श्रीवास्तव ने की । वृक्षारोपण तथा श्रदाजँली सभा को सम्बोधित करने वालो मे सवॅश्री डॉ सुशील कुमार सिन्हा के पी ट्रस्ट अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह पीआरओ एनसीआर अरूण कुमार श्रीवास्तव उपाध्यक्ष के पी ट्रस्ट विमलेश मिश्रा अध्यक्ष शहीद भगत सिंह स्मारक समीति राजेश कुमार दुबे वरिष्ठ अधिवक्ता हाई कोटॅ कुन्दन श्रीवास्तव एनयूजे जिला अध्यक्ष संरक्षक पवन दिवेदी संरक्षक परवेज आलम अखिलेश शुक्ला संगठन मंत्री संयोजक कमल कुमार श्रीवास्तव महामंत्री राजीव कुमार सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश चद्रं श्रीवास्तव उपाध्यक्ष डॉ सुधाकर पान्डेय उपाध्यक्ष मिथिलेश त्रिपाठी उपाध्यक्ष धमैंद्रं श्रीवास्तव असद कुरैशी मंत्री रजीत निषाद मंत्री सौरभ कुमार आदशॅ मंत्री शिव कुमार पान्डेय विमलेश मिश्रा अध्यक्ष शहीद भगतसिंह स्मारक समीति।

राजापुर सुबा धाम घर में नवरात्रि पूजन का आयोजन प्रथम दिन से

प्रयागराज।विगत डेढ़ दशक से अधिक वर्षों से मां भगवती की प्रतिमा का प्रतिस्ठापन पूजा एवं आवाहन करते चले आ रहे नवयुवक मां दुर्गा पूजा कमेटी राजापुर द्वारा इस वर्ष भी शरदीय नवरात्र के प्रथम दिन से ही मां भगवती का वैदिक विधि विधान से पूजन प्रारंभ हो रहा है इस संदर्भ में कमेटी के अध्यक्ष सुदामा वल्लभ के अनुसार यह शक्ति पूजन पूरे 9 दिन तक दिव्यता के साथ किया जाएगा इस नव दिवसी नवरात्रि के शक्ति पूजन में सुबह शाम नावर्ण मंत्र जाप दुर्गा सप्तशती का पाठ और महा आरती होती रहेगी इस पूजन की एक विशेषता यह है की नित्य प्रति आचार्य पुरोहित के साथ कमेटी के सचिव नवीन सागर रिक्की की देखरेख में विशेष प्रार्थना की जानी पूर्व की भांति सुनिश्चित है जिससे आए हुए श्रद्धालु भक्तों का जीवन स्वस्थ सुरक्षित संतुष्ट हो सके यह सभी कार्यक्रम राजापुर स्थित सुबाधाम घर , माई जी की कुटी के प्रांगण में 3 अक्टूबर से 11 अक्टूबर 2024 तक नित्य भजन पूजन प्रसाद वितरण एवं भंडारे के साथ संपन्न होते रहेंगे मुरख इलाहाबादी की यह दो लाइने पूरे नवरात्रि भर सभी भक्तों के मन मस्तिक में छा कर प्रकाशित ऊर्जा देती रहती है ऐसा श्रद्धालुओं का मानना है आना पड़ेगा तुमको इसी नवरात्रि में लाल हूं तुम्हारा आओ मां इसी बात में ।

ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से 10 दिन तक चलने वाली है भारद्वाज पुरम की रामलीला................

प्रयागराज सशहर प्रयागराज अपनी कला संस्कृति के लिए जाना जाता है और यहां पर होने वाली रामलीलाएं देश में प्रमुख स्थान रखतीं हैं। इसी क्रम में शहर की प्रतिष्ठित श्री बाघम्बरी क्षेत्र रामलीला कमेटी, भारद्वाज पुरम इस वर्ष ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से होने वाली भव्य रामलीला का मंचन करने जा रही है ।

अध्यक्ष श्री ओम नारायण त्रिपाठी ने बताया कि लगातार 10 दिनों तक चलने वाली इस रामलीला में शहर के प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ लगभग 60 कलाकार भाग लेंगें तथा इसका निर्देशन संस्था द थर्ड बेल के वरिष्ठ रंग निर्देशक आलोक नायर करेंगे । इस रामलीला के पात्रों के चयन प्रक्रिया का बहुत ध्यान रखा गया है । मर्यादा पुरुषोत्तम राम जी का चरित्र पेशे से शिक्षक अमितेश श्रीवास्तव निभाएँगे तथा सीता जी की भूमिका में अलका सिंह भी शिक्षिका हैं एवं लक्ष्मण जी पात्र हर्षित पांडेय निभा रहे हैं , भरत एवं शत्रुघ्न की भूमिका गौरव शर्मा तथा हेमंत सिंह निभाएँगे , वहीं रावण की भूमिका में दिखेंगें सत्यम सिंह राजपूत एवं हनुमानजी जी की भूमिका विनोद यादव निभाएँगे तथा दशरथ एवं कैकेयी की भूमिका निभा रहे हैं आकाशवाणी के प्रतिष्ठित कलाकार क्रमशः शैलेश श्रीवास्तव, ऋतिका अवस्थी । मंथरा और शबरी का चरित्र निभा रहीं हैं प्रतिष्ठित अभिनेत्री निकिता गौतम।मेघनाद की भूमिका हर्षित कर रहे हैं। कर्नल श्रीकुमार विश्वामित्र एवं बालि का किरदार निभाएंगे ।। वशिष्ठ और विभीषण की भूमिका राकेश श्रीवास्तव निभाएँगे अश्विनी श्रीवास्तव कुम्भकर्ण की भूमिका में हैं तथा जनक का चरित्र अरुण शुक्ला निभाएँगे। अन्य प्रमुख कलाकरों में विनय त्रिपाठी, नीरज मिश्रा, सिद्धार्थ त्रिपाठी,संध्या,श्वेता,हर्षिता, जागृति,रवींद्र, प्रणय,वंश,कोणार्क इत्यादि हैं । अलका और सरगम अपने नृत्यांगनाओं के साथ मंच पर अदभुत छटा बिखरेंगी । प्रकाश संचालन जतिन कुमार का होगा एवं संगीत संचालन विजय का होगा। रूप सज्जा अलका पाण्डेय और उनकी टीम का होगा । इस भव्य रामलीला का प्रमुख आकर्षण इसका बृहद मंच होगा...जो लगभग 120 फिट का होगा तथा ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से इसमें भव्य दृश्य गढ़े जाएंगें । आकर्षक वेशभूषा एवं रूपसज्जा दर्शकों को मोहित करेगी । कमेटी का प्रयास होगा कि इस बार की रामलीला से दर्शकों का भरपूर रसास्वादन हो एवं मर्यादा पुरुषोत्तम राम जी के जीवन से हमारी युवा पीढ़ी एवं जनमानस को सीखने का अवसर मिले ।

महिला काव्य गोष्ठी एवं मिली संजय श्रीवास्तव पर केंद्रित विशेषांक का लोकार्पण बही सरस काव्य गोष्ठी की बयार

प्रयागराज। बायोवेद संस्थान में शहर समता विचार मंच प्रयागराज की ओर से एक महिला काव्य गोष्ठी, पुरुष काव्य गोष्ठी और मिली संजय श्रीवास्तव के काव्य पर आधारित सावित्री देवी विशेषांक के लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ कवि मुक्तक सम्राट राम कैलाश पाल प्रयागी ने तथा मुख्य अतिथि प्रोफेसर सरोज सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉक्टर कल्पना वर्मा ने

की। इस अवसर पर मिली संजय श्रीवास्तव को सावित्री देवी स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया और उनके ऊपर एक काव्य विशेषांक निकाला गया। कार्यक्रम की शुरुआत में सबसे पहले अतिथियों ने माँ वाणी को दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत किया। वहीं डॉक्टर आकांक्षा पाल, डॉक्टर मंजू प्रकाश, रचना सक्सेना और राजेश सिंह ने संयुक्त रूप से माँ वाणी की वंदना की। संपादक और कवि उमेश श्रीवास्तव ने संपादकीय वाचन किया। मंचासीन अतिथियों अरुण कुमार मिश्र, कल्पना वर्मा, प्रोफेसर सरोज सिंह और रामकैलाश पाल ने कार्यक्रम पर अपने विचार व्यक्त किए। लोकपाल तथा जल संरक्षण पर काम करने वाले समाजसेवक समाज शेखर जी ने महाकुंभ में साहित्यिक योगदान के लिए साहित्यिक योजना पर कार्य करने की प्रेरणा दी। दूसरे सत्र में हुए काव्य गोष्ठी में डॉ वीरेंद्र तिवारी, डॉ प्रदीप चित्रांशी, मुक्तक सम्राट राम कैलाश पाल प्रयागी, डॉक्टर कल्पना वर्मा, डॉक्टर अजय मालवीय बहार इलाहाबादी, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान राजेश सिंह राज, निखिलेश मालवीय, राधा शुक्ला, जगदंबा प्रसाद शुक्ला, अनामिका तिवारी, अरुण कुमार मिश्रा, कल्पना वर्मा, डॉक्टर आकांक्षा पाल, रचना सक्सेना, मिली संजय श्रीवास्तव, मोहिनी श्रीवास्तव, ममता, विभा मिश्रा ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का सुंदर व शानदार संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद राजेश सिंह राज ज्ञापन ने किया।

सम्पादकीय.......

श्रीलंका से चिंताएँ

श्रीलंका में राजनीतिक बदलाव कहीं भारत के लिए खतरे की घंटी तो नहीं। चीन के लिए, जे.वी.पी. के नेतृत्व वाला श्रीलंका उसके 'मोतियों की माला' में एक और रत्न होगा, जो क्षेत्र पर उसकी पकड़ को मजबूत करेगा। श्रीलंका दे सकता है टेंशन, भारत करे तो क्या? चीन की ओर झुकाव से श्रीलंका कर्ज के जाल में फंस गया। नतीजा श्रीलंका के लिए विनाशकारी था और इस प्रक्रिया ने भारत के सुरक्षा हितों को गंभीर रूप से खतरे में डाल दिया। अब सवाल और भी गंभीर हो गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि एक मार्क्सवादी–समर्थक पार्टी श्रीलंका की सत्ता में काबिज है। ऐसे में भारत को अपने एक्शन के बारे में आशंकित होने का हर कारण है। श्रीलंका में हालिया राजनीतिक बदलावों का भारत पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता एवं सुरक्षा पर असर पड़ेगा। चूंकि भारत एक प्रमुख क्षेत्रीय शक्ति है, इसलिए उसे इन उभरती गतिशीलता के अनुकूल होने एवं अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपनी राजनयिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। इससे पहले, कोलंबो में दक्षिणपंथी सरकारों ने बुनियादी ढांचे में पर्याप्त निवेश के बदले में चीन की ओर झुकाव की कोशिशें की। ये उनके लिए गले की फांस बन गईं। इनमें से अधिकांश कर्ज के जाल में फंस गए। नतीजा श्रीलंका के लिए विनाशकारी था और इस प्रक्रिया ने भारत के सुरक्षा हितों को गंभीर रूप से खतरे में डाल दिया। अब सवाल और भी गंभीर हो गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि एक मार्क्सवादी–समर्थक पार्टी श्रीलंका की सत्ता में काबिज है। ऐसे में भारत को अपने एक्शन के बारे में आशंकित होने का हर कारण है। भारत को सतर्क रहना चाहिए और इस बढ़ते चीनी प्रभाव को संतुलित करने के लिए क्षेत्र में अपनी रणनीतियों का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए, साथ ही यह भी देखना चाहिए कि जे.वी.पी. श्रीलंका में किस तरह का शासन और अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन लाएगा। नेशनल पीपुल्स पावर का उदय आईएमएफ के चल रहे बेलआउट कार्यक्रमों और श्रीलंका में प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय निवेशों को खतरे में डाल सकता है, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। आज, दिसानायके के नेतृत्व में जे.वी.पी. का पुनरुत्थान महज एक राजनीतिक जीत नहीं हैय यह उस अंधराष्ट्रवादी चरित्र की वापसी का संकेत है जिसने कभी श्रीलंका की एकता को खतरा पैदा किया था। जे.वी.पी. के उदय का सबसे चिंताजनक पहलू चीन की भू–राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के साथ इसका संभावित तालमेल है। श्रीलंका लंबे समय से चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति का हिस्सा रहा है। चीन समर्थित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और राजनीतिक सांझेदारियों की एक श्रृंखला, जिसका उद्देश्य भारत को घेरना और हिंद महासागर में अपने समुद्री प्रभुत्व को सुरक्षित करना है। कोलंबो बंदरगाह परियोजना एवं अडानी सौर ऊर्जा पहल जैसी परियोजनाओं के रद्द होने का खतरा है, जिसका सीधा असर भारतीय आर्थिक हितों पर पड़ रहा है। श्रीलंका के राजनीतिक रुख में बदलाव से चीन इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ा सकता है, जिससे भारत के रणनीतिक हितों को खतरा उत्पन्न हो सकता है। श्रीलंका में आंतरिक राजनीतिक परिवर्तनों के कारण उत्पन्न अस्थिरता फैल सकती है, जिससे भारत के लिए महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों सहित क्षेत्रीय सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।यदि श्रीलंका को राजनीतिक अस्थिरता का सामना करना पड़ता है, तो इससे हिंद महासागर में सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है, जो भारत के व्यापार एवं रणनीतिक हितों के लिए महत्वपूर्ण है। दिसानायके की नीतियां श्रीलंकाई तमिल समुदाय एवं उनके अधिकारों की वकालत करने में भारत की भूमिका को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे तनाव में फिर से वृद्धि हो सकती है। तमिल अधिकारों पर कोई भी वापसी और जातीय कट्टरता की वापसी भारतीय नीति निर्माताओं को अच्छी नहीं लगेगी। ऐसा परिदृश्य भारत और श्रीलंका के बीच, विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में तनाव को बढ़ा सकता है और इस क्षेत्र को और अस्थिर कर सकता है। मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में चीन के बढ़ते प्रभाव के कारण इस क्षेत्र में भारत की स्थिति पहले ही कमजोर हो चुकी है। हिंद महासागर में चीनी शक्ति का प्रतिकार करने के भारत के प्रयासों में श्रीलंका एक महत्वपूर्ण चौकी रहा है। जे.वी.पी. की जीत और चीन की ओर उसका संभावित झुकाव इन प्रयासों को गंभीर रूप से कमजोर कर देगा, जिससे भूटान दक्षिण एशिया के उन कुछ बचे हुए देशों में से एक रह जाएगा जहां भारत अभी भी चीन पर रणनीतिक बढ़त रखता है।भारत को श्रीलंका के प्रति अपने कूटनीतिक दृष्टिकोण में सक्रिय कदम उठाने चाहिए. भारत को श्रीलंका की अर्थव्यवस्था का समर्थन जारी रखना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि बुनियादी ढाँचे के विकास जैसी परियोजनाओं से दोनों देशों को लाभ होगा एवं क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत सौर ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं पर अपना सहयोग बढ़ा सकता है। बाहरी खतरों से हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए श्रीलंका के साथ समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना आवश्यक है। संयुक्त नौसैनिक अभ्यास एवं समुद्री खुफिया जानकारी साझा करने से हिंद महासागर में बेहतर समन्वय सुनिश्चित होगा। भारत को श्रीलंका को किसी भी एकल संरेखण से बचते हुए, भारत एवं चीन के बीच संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। राजनयिक संवाद जो भारत के निवेश के लाभों को उजागर करते हैं, चीन की ओर पूर्ण बदलाव को रोक सकते हैं।सांस्कृतिक एवं शैक्षिक आदान–प्रदान को मजबूत करने से दोनों देशों के बीच सद्भावना को बढ़ावा मिलेगा तथा सार्वजनिक कूटनीति में वृद्धि होगी। भारत श्रीलंकाई युवाओं के लिए छात्र छात्रवृत्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम बढ़ा सकता है, जिससे युवा पीढ़ी के साथ मजबूत संबंध बन सकते हैं। भारत को श्रीलंका में चीनी निवेशों पर बारीकी से नजर रखनी चाहिए एवं उन्हें रणनीतिक भारतीय निवेशों के साथ संतुलित करना चाहिए। बंदरगाहों एवं हवाई अड्डों जैसे महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे में भारतीय निवेश बढ़ाने से यह सुनिश्चित होगा कि भारत अपना प्रभाव बनाए रखेगा। क्षेत्रीय स्थिरता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, भारत को एक बहुआयामी राजनयिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए जो आर्थिक सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा तथा सांस्कृतिक जुड़ाव को प्राथमिकता दे। इन पहलुओं पर सक्रिय रूप से ध्यान देकर, भारत बढ़ते बाह्य दबावों के समक्ष अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए श्रीलंका में अपना प्रभाव

स्वच्छ भारत अभियान का एक दशक

उमेश चतुर्वेदी

अधिवेशन में सहयोग के लिए तैनात स्वयंसेवकों से गांधी जी ने स्वच्छता की बाबत बात की, तो उन्होंने टका–सा जवाब दे दिया था, यह हमारा काम नहीं है, यह सफाईकर्मी का काम है। गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। उन्होंने अपने कपड़े उतारे, झाड़ू मंगवाई और वहां मौजूद गंदगी साफ को साफ करने में जुट गए।

साल 1901 के कोलकाता के कांग्रेस अधिवेशन में दक्षिण अफ्रीका से हिस्सा लेने पहुंचे गांधी को अजीब अनुभव हुआ। प्रतिनिधियों को ठहरने वाले शिविर में सफाई की हालत बेहद खराब थी। कई प्रतिनिधि ऐसे थे, जिन्होंने उन कमरों के बाहर बने बरामदे का ही शौचालय के रूप में इस्तेमाल कर दिया। दुर्गंध और गंदगी के बावजूद दूसरे प्रतिनिधियों को इस पर कोई ऐतराज नहीं था। लेकिन गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। तब तक वे पश्चिमी वेशभूषा में रहते थे। अधिवेशन में सहयोग के लिए तैनात स्वयंसेवकों से गांधी जी ने स्वच्छता की बाबत बात की, तो उन्होंने टका–सा जवाब दे दिया था, यह हमारा काम नहीं है, यह सफाईकर्मी का काम है। गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। उन्होंने अपने कपड़े उतारे, झाड़ू मंगवाई और वहां मौजूद गंदगी साफ को साफ करने में जुट गए। सफाई के बाद वे फिर से कोट–पैंट में आ गए। भारतीय राजनीति में तब तक गांधी का सितारा बहुत नहीं चमक पाया था। लेकिन उन्होंने राजनीति की दुनिया में सफाई के विचार का बीज रोप दिया। कोलकाता अधिवेशन में दिखी गंदगी का ही असर कह सकते हैं कि बाद के दिनों में उन्होंने विचार दिया, स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है। गांधी के रचनात्मक शिष्यों यथा बिनोबा, ठक्कर बापा आदि ने स्वच्छता और सफाई के इस गुर को बहुत आगे बढ़ाया। लेकिन जिसे मुख्यधारा की राजनीति कहते हैं, उसने स्वच्छता के गांधीवादी दर्शन को उसी रूप में बाद में शायद ही स्वीकार किया। इन संदर्भों में देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले राजनेता हैं, जिन्होंने अहम जिम्मेदारी संभालते हुए स्वच्छता और शौचालय क्रांति की बात की। शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कोई प्रधानमंत्री लालकिले की प्राचीर से शौचालय क्रांति की बात करेगा। लेकिन मोदी ने ना सिर्फ शौचालय क्रांति

की, बल्कि इसके डेढ़ महीने बाद गांधी जी की जयंती पर 2 अक्टूबर 2014 को खुद ही फावड़ा और झाड़ू उठा लिया। इसके साथ ही देश के सामने एक नया अभियान आया, 'स्वच्छ भारत अभियान'। स्वच्छ भारत अभियान के एक दशक पूरे हो गए हैं। इस दौरान स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। ऐसा नहीं कि भारत में स्वच्छता की अवधारणा नहीं रही है। भारत के प्राचीन ग्रंथ,सामाजिक व्यवस्था और मंदिर संस्कृति की परंपराएं स्वच्छता की भारतीय धारा की गवाह हैं। यह कह सकते हैं कि बाद के दिनों में भारतीय स्वच्छता सिर्फ व्यक्तिगत स्वच्छता तक सीमित होकर रह गई थी। भारतीयों के एक बड़े वर्ग की सोच सफाई को लेकर ज्यादा निजी थी। शायद ही कोई भारतीय घर होगा, जहां रोजाना झाड़ू ना लगती हो। स्वच्छ भारत अभियान के पहले होता यह था कि झाड़ू लगती तो थी,लेकिन कूड़ा गली में या सड़क पर या सार्वजनिक जगहों पर फेंक दिया जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के शुरू करने के बाद इस सोच में बदलाव आया है। वैसे मानव स्वभाव कोई बिजली का बल्ब नहीं है कि बटन दबाया और जल या बुझ जाएगा। उसमें बदलाव आने में देर होती है। बदलाव को वह जल्दी से स्वीकार नहीं कर पाता। इसीलिए स्वच्छता के मोर्चे पर हम देखते हैं कि सौ प्रतिशत सफलता हासिल नहीं की जा सकी है। रेलवे लाइनों के किनारे पड़े कूड़े के अंबार अब भी बने हुए हैं। लेकिन स्वच्छ भारत अभियान के दस वर्षों में यह सोच जरूर विकसित हुई है कि निजी ही नहीं, सार्वजनिक स्वच्छता जरूरी है। नई पीढ़ी के बच्चे तो अब बड़े–बड़ों को सार्वजनिक गंदगी के लिए टोक देते हैं। स्वच्छता को लेकर महात्मा गांधी ने कहा था, मैं किसी को भी अपने दिमाग़ से गंदे पैर लेकर नहीं गुज़रने दूँगा। गांधी के इस दर्शन पर भी चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान शुरू करते हुए कहा था, न मैं गंदगी करूंगा, न मैं गंदगी करने दूंगा। सार्वजनिक समारोहों में उनकी यह सोच अक्सर परिलक्षित होती है। किताब आदि के विमोचन के दौरान रैपर आदि को वे मोड़कर अपनी जेब में रख लेते हैं। इससे देश के अधिसंख्य लोगों ने प्रेरणा ली है और उस पर अमल भी कर रहे हैं। स्वच्छता अभियान की सफलता ही कहेंगे कि देश के बारह करोड़ घरों में शौचालय बन चुके हैं। स्वच्छ भारत अभियान की एक दशक की यात्रा में न केवल शौचालय कवरेज में भारी वृद्धि हुई है, बल्कि खुले में शौच की कुप्रथा तकरीबन खत्म हो गयी है। स्वच्छता का मतलब सिर्फ सफाई ही नहीं, खाने–पीने की चीजें भी स्वच्छ होनी चाहिए। इस लिहाज से हर घर नल जल योजना को भी स्वच्छ भारत अभियान से जोड़ सकते हैं। जिसके तहत पाइप से स्वच्छ पानी की आपूर्ति की कवरेज दस सालों में 16 प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत हो गई है। देश में धुएं के प्रदूषण से महिलाओं को रोजाना दो–चार होना पड़ता था। उज्ज्वला योजना के जरिए इस दिशा में स्वच्छ भारत अभियान को सफल कहा जा सकता है। इस योजना के तहत 11 करोड़ घरों में रसोई गैस का कनेक्शन पहुंच चुका है। स्वच्छ भारत अभियान से स्वास्थ्य के मोर्चे पर बड़ा बदलाव आया है। हालही में विश्व प्रसिद्ध पत्रिका नेचर में स्वच्छ भारत अभियान के बाद आए भारत में बदलावों के शोध पर आधारित एक लेख छपा था। इससे पता चलता है कि स्वच्छ भारत अभियान गेम चेंजर बन गया है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित आलेख कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध पर आधारित है। जिससे पता चलता है कि खुले में शौच की कुरीति खत्म होने के बाद और शौचालय क्रांति से देश में शिशु मृत्यु दर में कमी आई है। शोध पत्र में कहा गया है कि खुले में शौच की कुरीति के खत्म होने से हर वर्ष करीब 60 हजार से 70 हजार शिशुओं की मृत्यु को रोकने में सफलता मिली है। शोध पत्र के अनुसार, वर्ष 2000 से 2015 की तुलना में वर्ष 2015 और 2020 के बीच शिशु मृत्यु दर एक तिहाई रह गई... इसके आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 और 2015 के बीच शिशु मृत्यु दर में जहां तीन प्रतिशत वार्षिक की गिरावट रही, वहीं बाद में यह गिरावट आठ से नौ प्रतिशत ज्यादा हुई। इसी तरह 2000 और 2015 के बीच की तुलना में बाद के वर्षों में शिशु मृत्यु दर में 10 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। इस लेख मुताबिक, साल 2014 में शिशु मृत्यु दर जहां 39 अंक थी, वह साल 2020 में घटकर 28 रह गई। स्वच्छता अभियान की सफलता की कहानी विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट भी करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, स्वच्छता अभियान के चलते 2014 से 2019 के बीच डायरिया से होने वाली मौत के करीब तीन लाख मामले कम हुए, जो इसके पहले की अवधि में ज्यादा थे। इसी रिपोर्ट के मुताबिक, खुले में शौच की कुरीति खत्म होने से हर परिवार के स्वास्थ्य पर होने वाले करीब 50 हजार रूपए सालाना के खर्च की बचत हुई है।

दवा नहीं जहर खा रहे हम

प्रेम शर्मा

देश में चिकित्सा सुविधा कितनी बेहतर है। यह किसी से छूपा नही है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति आज भी दयनीय है। इसे बाद मानवीय अवश्यकता के लिए यह स्थिति कोढ़ में खाज से बढकर है। अधोमानक दवाओं का बाजार गर्म है। सैकड़ो प्रतिबंधित या प्रतिबंध योग्य दवाएं बेरोकटोक बाजारो से लेकर परचून तक की दूकानों में भरी पड़ी है।केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन कई बार नकली दवाओं की शिकायत या किसी प्रतिद्वंदी दवा कम्पनी की गोपनीय शिकायत के आधार पर जब कभी कार्रवाई होती है तो एक संख्या बताकर विभाग फौरी कार्रवाई तो कर लेता है लेकिन दवा माफियाओं के सामने चंद दिनों में मामला टॉय टाय फिस्स हो जाता है। आज से ठीक नौ वर्ष पहले स्वास्थ्यमंत्रालय 344 दवाइयों को प्रतिबंधित किया गया था उन्हें जिले में भी पूरी तरह से बेन करने की तैयारी कर ली गई है। लेकिन बाद में मामला ठण्डे बस्ते में चला गया था। अभी एक माह पूर्वसरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। ये आमतौर पर बुखार और सर्दी के अलावा पेन किलर, मल्टी–विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थीं। दो दिन पूर्व केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन ने पैरासिटामॉल समेत जिन 48 दवाओं को प्रतिबंधित श्रेणी में शामिल किया है। तो धंधेबाजों ने कुछ घंटों में करोड़ों की दवाओं को फुटकर बाजार में खपा दिया है। अब जब तक निर्माता कंपनियों की तरफ से इनकी बाजार से वापसी का फैसला होगा, तब तक इसे आम लोग खा भी चुके होंगे। सवाल यह भी देश में आज भी काफी आबादी या तो अशिक्षित या फिर उसे अंग्रेजी भाषा का ज्ञान नही है जबकि बाजार में उपलब्ध बीमारियों की अंग्रेजी दवाओं पर एक्सपायरी डेट से लेकर अन्य सभी जानकारियॉ अंग्रेजी में अंकित होती है ऐसे में जान बचाने या फिर बीमारी या दर्द से छुटकारा पाने के लिए जिन दवाओं का सेवन उनके द्वारा किया जा रहा है वह मानक के अनुसार जहर साबित हो रहा है। उक्त दवाएं उन्हें बीमारी या दर्द से मुक्त करने की जगह कोई बड़ी बीमारी दे रही है। अब इन दुष्परिणामी दवाओं को रोकने इन पर अंकुश लगाने में केन्द्र और राज्य सरकार के भारी भरकम मंत्रालय, विभाग उनमें भारी भरकम फौज क्या कर रही है। कैसे कर रही है। किस के दबाव में बड़ी कार्रवाई नही हो रही है। यह बॉत आम जनता को अच्छे से मालूम है। दवाओं माफियाओं का कितना ताकतवर समूह है यह किसी से छिपा नही है। ऐसी स्थिति में प्रतिबंधित, अधोमानक, नकली दवाओं के बाजार को रोकने के लिए किसी अदृश्य शक्ति की आस में देश का अवाम बैठा है ! नकली और अधोमानक दवाओं की बिक्री की जानकारी होने पर केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने देशभर से विभिन्न दवाओं के नमूने मंगाकर जांच कराई। इसकी रिपोर्ट चार दिन पहले सार्वजनिक हुई। इस जांच में पता लगा कि बुखार की सबसे अधिक बिकने वाली दवा पैरासिटामॉल, मधुमेह टाइप वन की सबसे प्रचलित दवा गिलमीप्राइड, ब्लड प्रेशर की दवा टेल्मीसार्टन, गैस की दवा पैनडी समेत 53 दवाएं अधोमानक हैं। मतलब यह कि इनमें मौजूद साल्ट मानक से कम हैं। सीडीएससीओ ने इन दवाओं के बैच नंबर को प्रतिबंधित सूची में डालते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, लेकिन जब तक इस रिपोर्ट पर अमल होगा, धंधेबाजों ने पूरा स्टॉक बाजार में खपा दिया। बाजार से जुड़े सूत्र बताते हैं कि केवल 10 से 12 प्रतिशत मॉल थोक स्टाकिस्टों ने होल्ड कर रखा है, जिसे कंपनी की तरफ से वापसी का आधिकारिक पत्र आने पर वापस कर कागज की कोरमपूर्ति की जाएगी। इसमें भी अधिकांश ऐसा माल है, जिसकी एक्सपायरी डेट नजदीक है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मानव शरीर पर बुरा प्रभाव डालने वाली दवाइयों की लिस्ट जारी कर उन्हें प्रतिबंधित के आदेश जारी किए गए थे। इनमें से कुछ कफ सिरप भी थी, जिनका उपयोग नशे के लिए किया जाता है उनकी भी वितरण और बिक्री पर रोक लगा दी गई। औषधी नियंत्रक विभाग की ओर से जिले के मेडिकल व्यवसायियों को इन दवाइयों की सूची जारी कर उन्हें कंपनी प्रतिनिधियों को फिर से लौटाने के आदेश दिए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार पेन कीलर में पेरासिटामोल और निमुस्लाइड कॉम्बिनेशन होने के साथ इनकी मात्रा भी काफी अधिक होती है। एंटी कोल्ड में भी पेरासिटामोल के साथ कैफीन की मात्रा ज्यादा होने से यह शरीर पर बूरा प्रभाव डालती है। यह कफ सिरप नशे के रूप में अधिकांश काम में ली जाती है। यही नही आज से नौ साल पहले औषधीनियंत्रक अधिकारियों के अनुसार स्वास्थ्य मंत्रालय ने जिन 344 फिक्स कॉम्बिनेशन डोज पर बेन लगाया है उनमें से 200 तो एंटी कोल्ड, पेन किलर और कफ सिरप ही है। कफ सिरप में कोरेक्स और एंटी कोल्ड में विक्स एक्शन 500 जैसी दवाइयों पर बेन लगाया है। अधिकारियों के अनुसार इसका उपयोग नशे के रूप में अधिक किया जाता है। वहीं अन्य 144 दवाइयां कॉम्बीकीट, डायबिटिक ड्रग, स्किन ओइंटमेंट क्रीम और एंटी बॉयोटिक है। आमूनन मरीजों का पहला भरोसा अपने चिकित्सक और उसकी लिखी दवाइयों पर होता है। सामान्य सर्दी जुकाम, बुखार और सिर दर्द पेट दर्द, में कई दफा वह डाक्टर से बिना परामर्श किए दवाएं खरीद लेता है। ये दवाइयां आम चलन में होती हैं। मगर केंद्रीय औषधि नियंत्रण संगठन के हालिया गुणवत्ता परीक्षण में जिस तरह पचास से ज्यादा दवाइयों के नाकाम होने की खबर आई है, उससे साफ है कि इन दवाओं का सेवन जोखिम से भरा है। जांच में आम इस्तेमाल में आने वाली पैरासिटामोल, पैन डी, कैल्शियम और विटामिन डी की गोलियों के अलावा मधुमेह रोधी समेत पचास से अधिक दवाओं में कई कमियां पाई गईं, उन्हें मानक गुणवत्ता से रहित जिन दवाइयों के किसी खास बीमारी का इलाज होने का दावा किया जा रहा था, उन्हें खतरे के वाहक के रूप में कैसे बेचा जाता रहा? पिछले महीने एक सौ छप्पन दवाओं पर रोक लगा दी गई। थी जो एंटीबायोटिक्स, मल्टीविटामिन, दर्दनिवारक और सर्दी एवं बुखार में प्रयोग में लाई जा रही थीं। तब कहा गया था कि इसके इस्तेमाल से स्वास्थ्य को खतरा पैदा हो सकता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जो दवाएं परीक्षण में नाकाम बताई गई हैं, अब तक उनका सेवन कितने लोग कर चुके होंगे और क्या उससे उनकी सेहत पर प्रतिकूल असर पड़ा होगा! आए दिन गुणवत्ता से संबंधित जांच में दवाओं के नमूने फेल होते रहे हैं।

संस्कारों और प्रगतिशीलता का संतुलन ही जीवन की सफलता

संजीव ठाकुर

मनुष्य को मानव जीवन बड़ी मुश्किल से मिलता है और मानव जीवन अमूल्य है। मनुष्य जीवन ही ऐसा है जिसमें मस्तिष्क, सोचने की क्षमता होती है और हंसने मुस्कुराने का विशिष्ट गुण होता है और यही गुण मनुष्य को पशु पक्षी और जानवर से पृथक करता है। मानव जीवन नाटकीय परिस्थितियों से भरा पड़ा है। जिंदगी जीने के कई दृष्टिकोण मनुष्य के सामने होते हैं कई व्यक्ति आर्थिक सफलता को जीवन में सर्वोच्च स्थान देता है, कोई समाज सेवा को और कोई सामाजिक सम्मान का अति लोभी भी हो जाता है ,कोई व्यक्ति राजनीति के उच्चतम शिखर पर पहुंचना चाहता है ।यह सभी मनुष्य के जीवन जीने के अलग अलग तरीके हो सकते हैं अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए क्या आवश्यक साधान एवं तरीके अपनाए जाएं यह एक यक्ष प्रश्न की तरह मनुष्य के सामने खड़ा होता है। मनुष्य का हमेशा जिंदगी जीने के लिए एक ललक और प्यास रखने की आवश्यकता होती है जीवन को यह अंतिम जीवन हैं कहकर जीने की आवश्यकता होती है एवं इसे निश्चित धैर्य में बांधकर जीवन जीने की बजाए प्रयोग के साथ नवीनता और परिवर्तनशीलता लबालब रखना चाहिए मगर शर्त यह है कि यह मनुष्य के जीने का तरीका सामाजिक नियमों या परिपाटी का खुला उल्लंघन ना हो। खुले जीने के तरीके मनुष्य को आत्म संतुष्टि प्राप्त नहीं होती है। जीवन जीने का तरीका एक यह भी है की विपरीत परिस्थितियों से डटकर मुकाबला कर उसे सहज स्वीकारना चाहिए। वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में जहां पूरी दुनिया एक वैश्विक ग्राम बनकर रह गई है वहां जीवन नाटकीय ता से परिपूर्ण हो सकता है क्योंकि मनुष्य का आज का जीवन विश्व की तमाम क्रिया प्रतिक्रिया एवं घटनाओं से काफी हद तक प्रभावित होता रहा है भले ही उससे समक्ष या परोक्ष रूप से मनुष्य जुड़ा हुआ हो या न हो। हाल की घटनाओं में ले लीजिए रूस यूक्रेन और इजराइल फिलिस्तीन युद्ध से पूरा विश्व जनमत प्रभावित हुआ है एवं वैश्विक महंगाई में भी इजाफा हुआ है क्योंकि विश्व के तेल आयातक देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए। मनुष्य के निजी जीवन में कई घटनाएं, दुर्घटनाएं आकस्मिक सामने आ जाती हैं तो ऐसे में मनुष्य को बिना हिचकिचाहट दर्शाए उन परिस्थितियों से रूबरू होकर उसका सामना संयम ,मनोबल तथा पूरी शक्ति से करना चाहिए ऐसे में निश्चित तौर पर मनुष्य को विषम परिस्थितियों में सफलता प्राप्त होती है। क्योंकि मनुष्य को श्रम करने की आदत हो तो जीवन के अनेक पहलुओं को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। जीवन के अनेक दृष्टिकोण से परिस्थितियों को गुणवत्ता के आधार पर स्वीकार तथा आज स्वीकार करते हुए निरंतर अग्रसर होते रहना चाहिए और कठिन श्रम निरंतर मेहनत पर मनुष्य को भरपूर भरोसा होना चाहिए। क्योंकि कर्म पर भरोसा रखने से और इस प्रक्रिया से भविष्य के परिणाम बहुत ज्यादा प्रभावित करते हैं जीवन को सकारात्मक विचारों के साथ निरंतर आगे बढ़ाकर परिस्थितियों का दास नहीं उस पर नियंत्रण करता होना चाहिए, तब जाकर मनुष्य अपने लक्ष्य को सफलता के रूप में प्राप्त कर सकता है। मनुष्य को केवल जीवन जीना ही नहीं है उसे उस जीवन को सफल और सफलता के चरमोत्कर्ष तक पहुंचाना होता है। साधारण जिंदगी जिए और मृत्यु को प्राप्त हो गए ऐसा जीवन तो जानवर पशु पक्षी भी जीते हैं यदि आपको मनुष्य योनि में जन्म मिला है तो इसे सार्थक करने के लिए आपको अनथक प्रयत्न कर इस लोक जगत और मानव सभ्यता के लिए परोपकार की भावना भी आपके व्यक्तित्व में समाहित करना होगा। मनुष्य इस बात को जितने जल्दी समझ जाए कि उसका जीवन केवल उसके लिए नहीं है बल्कि संपूर्ण मानव जगत और इस भव संसार की भलाई के लिए भी है तब ही उसका जीवन सार्थक एवं सफल हो सकता है। साहस मनोबल और श्रम की परिणति ही परिवर्तन लाती है और परिवर्तन प्रकृति का नियम है और परिवर्तन से व्यक्ति समाज देश और संपूर्ण विश्व में खुशहाली लाती है। जीवन जीने का आशय जीवन में आकस्मिकता ,परिवर्तनशीलता और निरंतर परिस्थितियों में सुधार लाने का प्रयास ही होना चाहिए, मनुष्य को निरंतर जीवन में परिवर्तन तथा नवाचार के लिए प्रयासरत रहना होगा तभी उसके जीवन का मूल उद्देश्य सार्थक एवं सफल हो सकता है।

ईशा देओल ने फिगर-हगिंग आउटफिट में खींचा फैंस का ध्यान

"बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी ईशा ने २००२ में आफताब शिवदासानी के साथ कोई मेरे दिल से पूछे में मुख्य भूमिका निभाकर बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके साथ संजय कपूर, जया बच्चन और अनुपम खेर भी थे। इसके बाद वह ना तुम जानो ना हम, क्या दिल ने कहा, कुछ तो है, एलओसी कारगिल, धूम, काल, दस, नो एंट्री, डार्लिंग, कैश और टेल मी ओ खुदा जैसी फिल्मों में नजर आईं।

हाल ही में अपने पति भरत तख्तानी से अलग हुईं एक्ट्रेस ईशा देओल इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव है। उन्होंने अपने फैंस के लिए कई शानदार मोनोक्रोम तस्वीरें शेयर की। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ईशा देओल बेहद बोल्ड दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में उनके ओम टैटू की भी झलक दिखाई दे रही है। उनके इस ग्लैमरस लुक देखकर उनके फैंस एक बार फिर से उनके दीवाने हो गए हैं। इन तस्वीरों में खूबसूरती के साथ उनकी ताकत साफ देखी जा सकती है। उनके इन तस्वीरों को देखकर उनके फैंस उनकी तारीफ करने से खुद को नहीं रोक पाए। इंस्टाग्राम पर ईशा के 2.3 मिलियन फॉलोअर्स है। इसी प्लेटफॉर्म के जरिए अभिनेत्री ने फैंस को अपना बोल्ड लुक दिखाया। शेयर की गई फोटो में वह स्लीवलेस, फिगर–हगिंग आउटफिट में दिखाई दे रही हैं। उन्होंने अपने बालों को एक स्लीक पोनीटेल में स्टाइल किया है। बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी ईशा ने 2002 में आफताब शिवदासानी के साथ कोई मेरे दिल से पूछे में मुख्य भूमिका निभाकर बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके साथ संजय कपूर, जया बच्चन और अनुपम खेर भी थे। इसके बाद वह ना तुम जानो ना हम, क्या दिल ने कहा, कुछ तो है, एलओसी कारगिल, धूम, काल, दस, नो एंट्री, डार्लिंग, कैश और टेल मी ओ खुदा जैसी फिल्मों में नजर आईं। ईशा पिछली बार 2019 में राम कमल मुखर्जी द्वारा निर्देशित और असॉर्टेड मोशन पिक्चर्स के बैनर तले अरित्रा दास द्वारा निर्मित लघु फिल्म केकवॉक में दिखाई दी थीं। इसमें तरुण मल्होत्रा, अनिंदिता बोस, सिद्धार्थ चटर्जी और डिंपल आचार्य भी मुख्य भूमिकाओं में थे। वह प्रिंस धीमान और आलोक बत्रा द्वारा निर्मित और निर्देशित वेब शो हंटर टूटेगा नहीं तोड़ेगा में भी नजर आईं। इस सीरीज में सुनील शेट्टी, बरखा बिष्ट, करणवीर शर्मा और राहुल देव हैं। यह अमेजन मिनी टीवी पर स्ट्रीम हो रही है। 42 वर्षीय अभिनेत्री को एक शॉर्ट फिल्म एक दुआ में भी देखा गया था। वह जल्द ही फिल्म मैं और तेलुगु फिल्म हीरो हीरोइन में दिखाई देंगी।

केआरके ने गुरु रंधावा को बताया 2 रुपये का एक्टर, तिलमिलाए सिंगर बोले–लगता कभी किसी पंजाबी से पाला नहीं पड़ा

बॉलीवुड एक्टर केआरके यानी कमाल आर खान अक्सर किसी न किसी से पंगा लेते रहते हैं और अपनी टिप्पणियों को लेकर सुर्खियों में भी रहते हैं। हाल ही में केआरके ने पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा के साथ पंगा लिया तो सिंगर ने भी उन्हें निशाने पर ले लिया और खरी खोटी सुना डाली। अब गुरु का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। दरअसल, गुरु रंधावा ने अपनी आगामी पंजाबी फिल्म शाहकोट का एक पोस्टर सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया। जिस पर टिप्पणी करते हुए केआरके ने गुरु को 2 रुपये का अभिनेता और धोबी बोल दिया। उसके इस कमेंट से गुरु तिलमिला गए और उन्होंने तुरंत इस पर रिएक्ट किया। केआरके को जवाब देते हुए गुरु रंधावा ने कहा, भाई आप मुझसे उम्र में बड़े हैं लेकिन मैं आपसे बिल्कुल भी प्रेरित नहीं हूं, पहले फिल्म देख लो फिर कौन जानता है कि आपको धोबी पसंद है या नहीं... आपका ट्वीट 2 रुपये का था इसके बाद दोनों के बीच ट्विटर वार छिड़ गया और दोनों एक–दूसरे के पोस्ट पर जवाब देने लगे। गुरु के जवाब पर फिर केआरके ने लिखा, ष्मेरे केआरके दुनिया के नंबर 1 आलोचक हैं, केआरके को चुनौती मत दो, तुम 2 रुपए के एक्टर हो। इसके बाद गुरु और भी चुप नहीं बैठे और अपनी गुस्सा निकालते हुए बोले–मैं अभी भी तुम्हारे बीच में हूँ भाई, ऐसा लगता है कि तुमने कभी किसी पंजाबी का सामना नहीं किया... 2 रुपए का कौन है, सबको पता है।

रणबीर कपूर के 42वें जन्मदिन पर मां नीतू कपूर ने लुटाया प्यार

बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर आज अपना 42वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर जुग जुग जियो में नजर आने वाली उनकी मां दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने अपने बेटे को जन्मदिन की बधाई दी। बॉलीवुड की फेमस अभिनेत्री ने अपने बेटे रणबीर कपूर को जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में बेटे के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। इस पोस्ट को कैप्शन देते हुए अभिनेत्री ने बेटे पर जमकर प्यार लुटाया और कहा कि उन्हें अपने जीवन में सारी खुशियां मिलें। 28 सितंबर 1982 को मुंबई में जन्मे कपूर खानदान से ताल्लुक रखने वाले रणबीर कपूर अभिनेता ऋषि कपूर और नीतू सिंह के बेटे हैं। स्टार किड होने के बाद भी उन्होंने एक आम कलाकार की तरह ही मेहनत की। पढ़ाई में ज्यादा दिलचस्पी न होने के कारण उन्होंने फिल्म मेकिंग सीखने के लिए न्यूयार्क के स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट्स से कोर्स किया। उन्होंने 14 अप्रैल 2022 बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट से शादी की। जोड़े की एक बेटी राहा कपूर है। वह अब तक अनजाना–अनजानी, राजनीति, रॉकेट सिंह द सेल्समैन ऑफ द ईयर,अजब प्रेम की गजब कहानी, वेक अप सिड,बचना ऐ हसीनो, एनिमल,तू झूठी मैं मक्कार, ब्रह्मास्त्र, संजू, ए दिल है मुश्किल,ये जवानी है दीवानी, बर्फी, रॉकस्टार जैसी सुपरहिट फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। हाल ही में रणबीर कपूर ने संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल से बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी। फिल्म ने कलेक्शन के मामले में सभी को पछाड़ दिया। इस फिल्म ने दुनिया भर में 915 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म में रणबीर ने वायलेंट किरदार निभाया। फिल्म ने अपने समय की सुपरहिट फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर को भी मात दे डाली। फिल्म का गाना 'अर्जन वैली' आज भी दर्शकों की जुबान पर बना हुआ है।अभिनेता अगली बार संजय लीला भंसाली निर्देशित 'लव एंड वॉर' में आलिया भट्ट और 'संजू' के सह–कलाकार विक्की कौशल के साथ नजर आएंगे। भंसाली प्रोडक्शन ने भी रणबीर को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं।

तारक मेहता.. की सोनू ने लगाए मेकर्स पर लगाए मेंटली हैरेस करने के आरोप तो जेनिफर ने किया सपोर्ट

फेमस टीवी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा में सोनू का किरदार निभाने वाली पलक सिंधवानी अचानक से सुर्खियों में आ गई हैं। पलक ने शो के मेकर्स पर मेंटली हैरेस करने का आरोप लगाया है। पलक के आरोपों को शो में कभी मिसेज सोढ़ी का किरदार निभा चुकीं पलक जेनिफर बेनीवाल ने सपोर्ट किया है। असित कुमार मोदी के इस शो में पलक फिलहाल सोनू का किरदार निभा रही थीं। शो छोड़ने के बाद पलक को लीगल नोटिस भेजा गया है जिसके बाद एक्ट्रेस ने आरोप लगाया कि उसे परेशान करने की कोशिश की जा रही है। मेकर्स की तरफ से उन्हें धमकाया जा रहा है, परेशान किया जा रहा है। वहीं, पलक के सपोर्ट में बोलते हुए जेनिफर ने कहा कि जो पलक के साथ हो रहा है वो शो में हर मेंबर के साथ होता है। मीडिया से बातचीत के दौरान जेनिफर ने कहा कि जो भी शो छोड़कर जाना चाहता है मेकर्स उसके साथ ऐसा ही करते हैं। कभी किसी को मेकर्स आसानी से, आराम से शो छोड़कर जाने नहीं देते। वो जगह आर्टिस्ट्स के लिए एक जेल जैसी है। जेनिफर ने कहा कि पलक काफी स्वीट है मुझे चिंता है कि मेकर्स ने जरूर उसके पैसे नहीं दिए होंगे।जेनिफर ने कहा कि राज अनादकट, शैलेश लोढ़ा, गुरुचरण सिंह सबने शो छोड़ने के बाद इसी तरह की समस्या का सामना किया। जेनिफर को उम्मीद है कि पलक हालात को अच्छे से हैंडल कर लेगी। ऐसी बातें शो और प्रोडक्शन पर बुरा असर डालेंगी। बता दें, पलक से पहले जेनिफर और उससे पहले कई एक्टर्स ने शो छोड़ने के बाद मेकर्स पर आरोप लगाए हैं। किसी ने हैरेसमेंट का तो किसी ने परेशान करने का, काम के बाद मेहनत नहीं मिलने जैसे भी आरोप लगाए हैं। जेनिफर के बाद प्रिया अहुजा राजदा और मोनिका भादोरिया जैसे कलाकारों ने भी मेकर्स पर ऐसे ही परेशान करने वाले आरोप लगाए थे। शो में लंबे समय तक तारक मेहता का रोल निभाने वाले शैलेश लोढ़ा ने मेकर्स पर पैसे नहीं देने का आरोप लगाया था और मामला कोर्ट तक पहुंच गया।

फिल्म शाहकोट का टीजर लॉन्च, राज बब्बर की दमदार वापसी, गुरु रंधावा का पंजाबी डेब्यू

हाल ही में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगामी फिल्म शाहकोट का पहला टीजर लॉन्च किया गया। इस फिल्म का टीजर दमदार कहानी और संगीत के जादुई मेल का एक अद्भुत उदाहरण है, जो बड़े पर्दे पर दर्शकों को एक शानदार सिनेमैटिक अनुभव देने का वादा करता है। इस फिल्म में राज बब्बर की शानदार वापसी देखने को मिलेगी, जो कई सालों बाद नजर आएंगे। टीजर में गुरु रंधावा को एक पुलिस वैन से उतरते हुए दिखाया गया है, जबकि बारिश में खूबसूरत गीत की धुन सुनाई दे रही है। निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया पर पब्लिसिटी मैटीरियल जारी कर दर्शकों को दिलचस्प अंदाज में जोड़ने का प्रयास किया है। जहां टाइटल पोस्टर एक पासपोर्ट के रूप में था, वहीं मोशन पोस्टर बिछड़ने की भावना को व्यक्त करता है। फिल्म के दूसरे पोस्टर में गुरु रंधावा और ईशा तलवार के बीच प्यार और रोमांस को दर्शाया गया है। यह टीजर कई हैरान करने वाली भावनाएं उत्पन्न करता है, जो फिल्म की कहानी की विभिन्न भावनाओं को उजागर करता है। दर्शकों में इस फिल्म की रिलीज के लिए उत्सुकता बनी हुई है, खासकर क्योंकि गुरु रंधावा पंजाबी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत कर रहे हैं, जबकि उनके साथ मिर्जापुर की ट्रेंडिंग कलाकार ईशा तलवार भी हैं। इस फिल्म की कास्ट में राज बब्बर, सीमा कौशल, गुरशबद, नेहा दयाल, हरदीप सिंह गिल, मनप्रीत सिंह, औलख मैडम, और जतिंदर कौर शामिल हैं। शाहकोट को अनिरुद्ध मोहता द्वारा प्रोड्यूस किया गया है और इसे राजीव ढींगरा द्वारा डायरेक्ट किया गया है, जो पहले लव पंजाब और कॉमेडी नाइट्स विद कपिल के लिए जाने जाते हैं। राजीव ढींगरा ने इस प्रोजेक्ट पर अपने उत्साह का इजहार करते हुए कहा, एक डायरेक्टर के रूप में, मेरा मकसद ग्लोबल दर्शकों के लिए क्लास अपील वाली कहानियां लाना है। शाहकोट के साथ, मैं कह सकता हूँ कि यह एक रेगुलर लव स्टोरी नहीं है। वहीं, प्रोड्यूसर अनिरुद्ध मोहता ने बताया, पंजाबी सिनेमा जोर–शोर से बढ़ रहा है, और मैं अपने दर्शकों की उम्मीदों को पूरा करूंगा, क्योंकि दर्शक ही फिल्मों के सच्चे इवैल्यूएटर हैं। फिल्म का संगीत और बैकग्राउंड स्कोर जतिंदर शाह ने तैयार किया है। शाहकोट को एम 7 स्काई स्टूडियोज और रापा नुईज फिल्म्ज और 751 फिल्म्ज के सहयोग से पेश किया जा रहा है। फिल्म का टीजर आज मोहाली के बेस्टेक मॉल, सिनेपोलिस में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जारी किया गया। इस फिल्म को सेवन कलर्स द्वारा विश्व स्तर पर वितरित किया जाएगा। शाहकोट की इस झलक ने दर्शकों में फिल्म को लेकर उत्सुकता पैदा कर दी है, और यह देखना दिलचस्प होगा कि यह फिल्म किस तरह का प्रदर्शन करती है।

अनार के छिलके का चमत्कार देखकर आप भी हो जाएंगे दंग, काले दाग–धब्बे होगें दूर

आपके घर पर अनार आते हैं लेकिन उनके छिलके फेंक देते हैं तो ऐसा बिल्कुल न करें। अनार के छिलकों को फेंक नहीं, इसका इस्तेमाल स्किन केयर में कई तरीकों से किया जा सकता है। अनार के छिलके आपके चेहरे की चमक बढ़ाने के काम आते हैं। आइए कैसे इसका यूज करें।

बिजी लाइफस्टाइल के चलते आजकल लोगों के पास अपने स्किन केयर के लिए भी टाइम नहीं है। ऐसे में हम सभी महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं और ब्यूटी सैलून से स्किन ट्रीटमेंट कराते है। स्किन ट्रीटमेंट के बाद त्वचा में निखार तो आता लेकिन केमिकल की वजह से कुछ दिन बाद त्वचा बेजान और रंगत खो देती है।कई बार तो चेहरे पर पिंपल्स निकलने लगते हैं। इससे बेहतर है घरेलू उपाय से स्किन को ग्लोइंग बनाना। वैसे तो अनार के दाने खाना सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इसी के साथ इसके छिलकों को भी इस्तेमाल किया जा सकता है। अनार के छिलके आपके चेहरे की चमक बढ़ाने के काम आते हैं। आइए कैसे इसका यूज करें।

अनार के छिलको का इस्तेमाल ऐसे करें

स्किन पर अनार के छिलकों को इस्तेमाल करने के लिए आप पहले अनार के छिलकों को लें और इसे अच्छी तरह से धो लें। इसे आप एक छन्नी में डालें और इसका सारा पानी पूरी तरह से निकल दें। इसके बाद छिलकों को एक सूती कपड़े पर फैलाएं और अच्छी तरह से सूखने के लिए रख दें। आप इसे धूप में सूखाएं। ये जब अच्छे से सूख जाए और एकदम कड़क हो जाए। इसके बाद आप इनको मिक्सर में डालकर पाउडर बना लें। अब इस पाउडर का यूज आप घरेलू रेमेडीज में कर सकते हैं।

इन तरीकों से अनार के छिलकों का प्रयोग करें

दही में मिलाएं

एक चम्मच पाउडर को डेढ चम्मच दही के साथ मिलाएं। अच्छे से मिक्स करने के बाद इसे अपने पर लगा लें। 10 मिनट लगा रहने के बाद इसे हाथों से गीला करें और फिर चेहरे की मसाज करते हुए हटा दें।

ओट्स के साथ इस्तेमाल करें

इतना ही नहीं, चेहरे को स्क्रब करने के लिए आप इसे ओट्स के साथ मिला सकते हैं। इसके लिए ओट्स पाउडर, अनार छिलके का पाउडर, शहद और दूध के साथ मिलाएं। इसे अपने चेहरे पर लगाएं और स्क्रबिंग करें। डेड स्किन निकालने और दाग–धब्बे हटाने का ये अच्छा तरीका है।

गुलाब जल के साथ मिलाएं

फेस पैक बनाने के लिए अनार के छिलकों को गुलाब जल के साथ भी मिक्स करें।

नवरात्रि में बनाएं एकदम खिली–खिली साबूदाना की खिचड़ी, नोट करें रेसिपी

श्राद्ध पक्ष खत्म होते ही नवरात्रि का पर्व शुरु होगा। नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा की जाती है। भक्त जन 9 दिनों तक व्रत रखा जाता है। नौ दिनों तक व्रत रखने के वाले व्यक्ति को फलाहार के लिए कुछ खास रेसिपी भी जरुर बनाता है। ज्यादातर लोग नवरात्र में साबूदाना खिचड़ी जरुर बनाते हैं। इससे पेट भी भरा रहता है। साबूदाना खिचड़ी हम सभी घर पर बना तो लेते हैं लेकिन ये बार–बार छिपक जाती है। खिली–खिली साबूदाना खिचड़ी बनाना काफी मुश्किल होता है। आइए जानते हैं नवरात्रि में पहले कैसे बनाएं खिली–खिली साबूदाना खिचड़ी।

साबूदाना खिचड़ी बनाने के लिए सामग्री

– 1 कटोरी साबूदाना
– 1/2 कटोरी मूंगफली दाना
– 1 उबला हुआ आलू
– 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ हरा धनिया
– 2 कटी हुई हरी मिर्च
– 1 नींबू
– 10 कढ़ी पत्ते
– 1 छोटा चम्मच घी
– स्वादानुसार सेंधा नमक

साबूदाना खिचड़ी बनाने का तरीका

सबसे पहले आप साबूदाना साफ करें फिर उसे धोकर 2–3 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। ऐसा करने से साबूदाना फूलकर नरम हो जाएगा। फिर आप एक पैन में मूंगफली के दाने डालकर धीमी आंच पर भून लें और ठंडे होने के लिए रख दें। मूंगफली दाने ठंडे होने के बाद उन्हें हाथों मसलकर छिलके अलग करके दरदरा कूट लें। फिर आप आलू, हरी मिर्च, हरी धनिया पत्ती तो बारीक–बारीक काट लें। इसके बाद एक कड़ाही लें उसमें घी डालकर मीडियम आंच पर गर्म कर लें। घी गर्म करें उसमें जीरा डालकर भूनें। इसे फ्राई करें फिर भिगोकर रखा हुआ साबूदाना दाना डालकर करछी से अच्छी तरह मिक्स रहें। 5 मिनट बाद साबूदाना दरदरी कूटी हुई मूंगफली, हरी धनिया पत्ती और सेंधा नमक डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह से मिला लें। सबसे आखिरी में आप नींबू का रस डालकर खिचड़ी को 2 मिनट और पकाकर गैस बंद कर दें और आपकी व्रत वाली साबूदाना खिचड़ी तैयार है।

ठंड के मौसम में रूखी त्वचा से बचने के बेस्ट स्किनकेयर टिप्स

गर्मियों का सीजन जाने वाला है और कुछ ही महीनों में सर्दियां आने वाली हैं। जिस तरह गर्मियों में हम अपनी स्किन को धूप, टैनिंग, धूल–प्रदूषण और ऑयली स्किन होने से बचाते हैं ठीक उसी तरह हमें सर्दियों में भी अपनी त्वचा की बेहद देखभाल करनी चाहिए। सर्दियों में ज्यादा ठण्ड की वजह से स्किन ड्राई हो जाती है, जिससे स्किन में खुजली की समस्या हो जाती है और खुजली करके हम अपनी स्किन में रेडनेस की समस्या पैदा कर लेते हैं। इस लेख में, हम आपको कुछ खास सुझाव देंगे जिनसे आप सर्दियों में अपनी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार रख सकते हैं।

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं

सर्दियों में ठंड के कारण हम अक्सर पानी कम पीते हैं, लेकिन त्वचा को नमी प्रदान करने और शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है। कम पानी पीने से त्वचा रूखी और बेजान हो सकती है। सर्दियों में भी आपको 8–10 गिलास पानी पीने की आदत बनाए रखनी चाहिए, ताकि आपकी त्वचा नमी से भरपूर रहे और ड्राईनेस की समस्या न हो।

मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन का इस्तेमाल

सर्दियों में त्वचा की नमी बनाए रखने के लिए मॉइस्चराइजर का नियमित उपयोग करना बेहद महत्वपूर्ण है। मॉइस्चराइजर आपकी त्वचा को रूखेपन से बचाता है और उसे मुलायम बनाए रखता है। साथ ही, सनस्क्रीन का इस्तेमाल भी न भूलें। सर्दियों में धूप से संपर्क बढ़ जाता है, जिससे सनबर्न होने का खतरा रहता है। चाहे धूप हो या बादल, सनस्क्रीन आपकी त्वचा को यूवी किरणों से बचाने में मदद करता है। इसे घर से बाहर निकलने से पहले जरूर लगाएं।

गर्म पानी का इस्तेमाल न करें

ठंड के मौसम में नहाने के लिए अक्सर हम गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकता है। गर्म पानी से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है, जिससे रूखेपन की समस्या बढ़ जाती है। इसके बजाय हल्के गर्म पानी का इस्तेमाल करें और नहाने के बाद बॉडी पर तेल या मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं, ताकि आपकी त्वचा नमी से भरपूर बनी रहे।

क्लींजिंग पर ध्यान दें

सर्दियों में आलस के कारण हम अक्सर चेहरे की सफाई नहीं करते, लेकिन क्लींजिंग करना बेहद जरूरी है। चेहरे की गंदगी और धूल–मिट्टी को साफ करने के लिए कच्चा दूध ा एक बेहतरीन विकल्प है। कच्चा दूध त्वचा को गहराई से साफ करता है और उसे नमी प्रदान करता है। मुलायम कॉटन पैड को कच्चे दूध में डुबोकर हल्के हाथों से चेहरे पर लगाएं और सूखने दें। यह प्रक्रिया आपकी त्वचा को साफ और ताजा बनाए रखेगी।

विटामिन–सी से भरपूर आहार लें

सर्दियों में विटामिन–सी युक्त आहार आपकी त्वचा को भीतर से स्वस्थ और चमकदार बनाए रखते हैं। संतरे और आंवले में विटामिन–सी की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो आपकी त्वचा को प्राकृतिक रूप से निखारने में मदद करती है। विटामिन–सी त्वचा की रंगत में सुधार करता है और उसे संक्रमण से बचाता है।

सर्दियों में त्वचा की सही देखभाल के लिए ऊपर दिए गए सुझावों का पालन करें। नियमित रूप से मॉइस्चराइजर, सनस्क्रीन, और सही आहार का सेवन करके आप अपनी त्वचा को स्वस्थ, चमकदार और हाइड्रेटेड रख सकते हैं। सर्दियों के मौसम में थोड़ी सी देखभाल आपकी त्वचा को शुष्क हवाओं से बचाकर उसकी प्राकृतिक चमक बनाए रखेगी।

चश्मे से निजात दिलाने वाले 7 फूड्स, चेहरे पर भी आएगा निखार!

आंखें हमारे शरीर का एक अनमोल हिस्सा हैं, जिनकी मदद से हम दुनिया को देख सकते हैं। लेकिन आज की बदलती जीवनशैली और गैजेट्स के अधिक उपयोग के कारण आंखों की रोशनी कमजोर होना एक आम समस्या बन गई है। अगर आप भी अपनी आंखों की सेहत को लेकर चिंतित हैं और चश्मे से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो आपको अपने खानपान में कुछ खास चीजों को शामिल करना चाहिए। आइए, जानते हैं वो 7 चीजें जिनका सेवन आपकी आंखों की रोशनी बढ़ा सकता है और आपके चेहरे पर भी निखार ला सकता है।

पालक

पालक विटामिन ए, सी, के, फोलेट, पोटेशियम और आयरन का एक बेहतरीन स्रोत है। इसके सेवन से आपकी आंखों की सेहत में सुधार हो सकता है। पालक में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और कैरोटिनॉयड्स आंखों की मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं। रोजाना पालक का सेवन सलाद, सब्जी, या स्मूदी के रूप में किया जा सकता है।

गाजर

गाजर विटामिन ए का सबसे अच्छा स्रोत मानी जाती है, जो आंखों की रोशनी को बढ़ाने में मददगार साबित होती है। इसमें मौजूद बीटा–कैरोटीन आंखों को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आप गाजर का सेवन सलाद, जूस, या सब्जी के रूप में कर सकते हैं।

टमाटर

टमाटर में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो आंखों के लिए लाभकारी होते हैं। इसके अलावा, टमाटर में लाइकोपीन नामक एक एंटीऑक्सीडेंट भी होता है, जो आंखों को धूप के हानिकारक प्रभावों से बचाता है। आप इसे सलाद या सब्जी में शामिल कर सकते हैं और इसे चेहरे पर लगाकर त्वचा का निखार भी बढ़ा सकते हैं।

ब्रोकली

ब्रोकली आंखों की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। इसमें ल्यूटिन, जेक्सैन्थिन, और विटामिन सी जैसे तत्व होते हैं, जो आंखों की रक्षा करते हैं और दृष्टि को बेहतर बनाते हैं। आप इसे सलाद में डाल सकते हैं या हल्का उबालकर खा सकते हैं।

संतरा

संतरा विटामिन सी और ए का भरपूर स्रोत है, जो आंखों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। रोजाना एक संतरा खाने या इसका जूस पीने से आपकी आंखों की रोशनी में सुधार हो सकता है और यह फ्री रैडिकल्स से बचाव करता है, जो आंखों की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं।

शकरकंद

शकरकंद, जिसे मीठा आलू भी कहा जाता है, विटामिन ए का अच्छा स्रोत है। यह आंखों की रोशनी को तेज करने और रतौंधी जैसी समस्याओं से बचाने में मदद करता है। आप इसे उबालकर, भूनकर या रोस्ट करके खा सकते हैं।

ब्लूबेरी

ब्लूबेरी, जिसे नीलबदरी भी कहा जाता है, आंखों की सेहत के लिए अत्यंत फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद विटामिन ई, सी, और एंटीऑक्सीडेंट्स आंखों की रोशनी बढ़ाने में मददगार होते हैं। इसका नियमित सेवन आंखों की दृष्टि को तेज कर सकता है और चश्मे से छुटकारा पाने में मदद कर सकता है।

इन सभी चीजों का नियमित सेवन आपकी आंखों की रोशनी को बेहतर बना सकता है और आपको चश्मे से छुटकारा दिला सकता है। साथ ही, यह आपकी त्वचा पर भी निखार लाएगा। अच्छी डाइट के साथ–साथ, रोजाना आंखों की एक्सरसाइज और उचित आराम देना भी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है।

दुर्गा पूजा में दिखना है एकदम हटके, तो इस तरह से करें बंगाली मेकअप, सबकी निगाहें आप पर होगी

नवरात्रि की शुरुआत 3 अक्टूबर 2024 से हो रही है। नवरात्रि पर्व के अब दिन ही कितने बचें। नवरात्र में मां दुर्गा के नौ अलग–अलग स्वरुपों की पूजा की जाती है। इस त्योहार की घूम पूरे भारत में दिखती है। अगर आप भी दुर्गा पूजा में एकदम परफेक्ट बंगाली लुक चाहते हैं तो आपको इसके लिए ज्यादा कुछ नहीं करना। बस इन 3 टिप्स को फॉलो करें।

भारत में फेस्टिवल की शुरुआत होने वाली है। नवरात्रि पर्व का आरंभ 3 अक्टूबर से होने जा रहा है। नवरात्र में मां दुर्गा के नौ अलग–अलग स्वरुपों की पूजा की जाती है। इस त्योहार की घूम पूरे भारत में दिखती है। खासतौर पर नवरात्र की रौनक गुजरात और बंगाल में अलग ही होती है। आपको बता दें कि, बंगाली लोगों के लिए षष्ठी से विजयादशमी खास होती है। इस दौरान पंडालों में भक्तिमय माहौल होता है। अगर आप भी दुर्गा पूजा के लिए खास बंगाली लुक क्रिएट करना चाहती हैं, तो आप इस साल बंगाली लुक अपनाना चाहती हैं। तो इन 3 टिप्स तो अपना लें।

चूज करें सही साड़ी

यदि आप भी दुर्गा पूजा के लिए बंगाली लुक ट्राई करना चाहते हैं। तो आप इसे पहनें और अगर आपके पास ट्रेडिशनल साड़ी नहीं है तो आप किसी भी तरह की कॉटन साड़ी को चुन सकती हैं। लीनन की साड़ी काफी अच्छा लुक देगी। हालांकि, इसके लिए किसी हल्के रंग की साड़ी को पहनें। लाल सफेद रंग की हो तो भी अच्छा है। जब आप साड़ी सेलेक्ट कर लें तो इसे बंगाली तरीके से पहनें या ओपन पल्ले के साथ भी इसे पहन सकते हैं।

सहीं जूलरी चुनें

बंगाली लुक के लिए आप हैवी जूलरी पहन सकते हैं। अगर आप हल्की जूलरी पहनना चाहते हैं। झुमके या फिर आप लंबे ईयररिंग्स जरुर पहनें। इसके साथ ही बंगाली शाखा पोला पहनें या फिर लाल प्लेन चूड़ी के साथ कुंदन के पतले कड़ों को पहन सकते हैं।

मेकअप लुक बेहद जरुरी और हेयर स्टाइल पर ध्यान

अगर आप मैरिड हैं तो बंगाली मेकअप में सिंदुर को जरुर शामिल करें। बंगाली लुक के लिए मेकअप ब्राइट रखें। लिप कलर के लिए भी आप लाल, गुलाबी जैसे रंग को चुन सकते हैं। हेयर स्टाइल के लिए आप सेंटर पार्टिशन सबसे अच्छा माना जाता है।

संक्षिप्त

भारतपे ने पूर्व सह–संस्थापक अशनीर ग्रोवर के साथ विवाद सुलझाया, 88 करोड़ की हेराफेरी मामले में हुआ समझौता

फिनटेक भारतपे और कंपनी के पूर्व सह–संस्थापक अशनीर ग्रोवर के बीच एक निर्णायक समझौता किया है। भारत पे और अशनीर ग्रोवर के बीच कई वर्षों से विवाद जारी है। इस विवाद को खत्म कर लिया गया है। इस विवाद को खत्म करने के उद्देश्य से एक समझौता किया गया है। इस समझौते के मुताबिक अशनीर ग्रोवर किसी भी क्षमता में भारतपे से जुड़ी नहीं रहेंगे। यही नहीं अश्नीर ग्रोवर अब कंपनी के शेयरधारिता का हिस्सा भी नहीं होंगे। इस समझौते के साथ ही दोनों के बीच के सभी संबंध खत्म हुए है। ये समझौता होते ही दोनों पक्षों के बीच के कानूनी और सार्वजनिक विवाद खत्म हुए है। समझौते के तहत ही अश्नीर के खिलाफ सभी कानूनी विवाद भी कंपनी ने वापस ले लिए है। मनीकंट्रोल के अनुसार भारतपे के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि अशनीर ग्रोवर के कुछ शेयर भारतपे के लाभ के लिए रेजिलिएंट ग्रोथ ट्रस्ट को हस्तांतरित किए जाएंगे और उनके शेष शेयरों का प्रबंधन उनके पारिवारिक ट्रस्ट द्वारा किया जाएगा। दोनों पक्षों ने दायर मामलों को आगे न बढ़ाने का फैसला किया, उन्होंने कहा, हम श्री ग्रोवर को शुभकामनाएं देते हैं। भारतपे अपने व्यापारियों और ग्राहकों को उद्योग–अग्रणी समाधान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखता है, जिससे लाभप्रदता के साथ विकास होता है। बता दें कि फिनकेट कंपनी भारतपे ने अश्नीर ग्रोवर पर इल्जाम लगाया था कि उन्होंने 88 करोड़ से अधिक का गबन किया है। अश्नीर के अलावा उनके परिवार पर भी ये आरोप कंपनी ने लगाया था।

शेयर बाजार में अक्टूबर के महीने में रह सकती है अस्थिरता, जानें अहम कारण

अमेरिका में चुनाव होने में कुछ ही दिनों का समय शेष बचा है। आगामी अमेरिकी चुनावों को लेकर दुनिया भर में इक्विटी में अस्थिरता बढ़ सकती है। इसी बीच भारतीय शेयर बाजार भी सोमवार को गिरावट के साथ खुला है। निफ्टी 50 सूचकांक 0.45 प्रतिशत या 117.65 अंकों की गिरावट के साथ 26,061.30 अंक पर खुला, जबकि बीएसई सेंसेक्स 363 अंक या 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,208.76 अंक पर बंद हुआ।

निफ्टी मेटल, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी फार्मा को छोड़कर सभी सेक्टर लाल निशान पर खुले। निफ्टी 50 के शीर्ष लाभार्थियों में एनटीपीसी, हिंडाल्को, बीपीसीएल, जेएसडब्ल्यू स्टील और टाटा स्टील शामिल हैं, जबकि शीर्ष हारने वालों में हीरो मोटोकॉर्प, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, नेस्ले इंडिया और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं।

अमेरिकी चुनाव का भारतीय शेयर बाजार पर होगा ये प्रभाव

विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के कारण शेयर बाजार में उतार–चढ़ाव बढ़ जाता है। हालांकि, चुनाव खत्म होते ही शेयर बाजार में तेजी लौट आती है। बैंकिंग और बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा ने कहा, ष्भारत एक जीवंत उभरते बाजार के रूप में दरों में कटौती का लाभार्थी है। हम अमेरिकी इक्विटी के लिए ऐतिहासिक रूप से कमजोर महीने में प्रवेश कर रहे हैं, जो आम तौर पर राष्ट्रपति चुनावों में कमजोर होते हैं और फिर रैली करते हैं, भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति पद, सीनेट और अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के परिणाम कुछ भी हों। उन्होंने कहा, ष्इस बार कांटे की टक्कर के कारण कई दिनों और हफ्तों तक अनिश्चितता बनी रहेगी और करीबी, अस्थिर राज्यों में पुनर्मतगणना होगी। इससे निश्चित रूप से बाजार में अस्थिरता आएगी। बहुत ही रोचक अक्टूबर के लिए अपनी सीटबेल्ट बांध लें, लेकिन निवेशित रहें। यह आसान अक्टूबर नहीं होने वाला है और न ही एकतरफा बाजार होगा।

एलएंडटी को दक्षिण भारत में ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली विकसित करने तथा लागू करने का मिला ठेका

कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसे '' दक्षिण भारत में क्षेत्रीय तथा राज्य के 'लोड डिस्पैच सेंटर' में ऊर्जा प्रबंधन प्रणालियों को विकसित करने और लागू करने का ठेका मिला है। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को देश के दक्षिणी क्षेत्र में ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली विकसित करने और उसे लागू करने

LARSEN & TOUBRO

का ठेका मिला है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह ऑर्डर लार्सन एंड टुब्रो के विद्युत पारेषण एवं वितरण खंड की डिजिटल ऊर्जा समाधान शाखा को मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसे '' दक्षिण भारत में क्षेत्रीय तथा राज्य के 'लोड डिस्पैच सेंटर' में ऊर्जा प्रबंधन प्रणालियों को विकसित करने और लागू करने का ठेका मिला है।

रोहित शर्मा ने छक्के लगाने के मामले में बनाया रिकॉर्ड, दुनिया के पहले ऐसे ओपनर...

रोहित शर्मा ने भले ही टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायमेंट ले लिया है, लेकिन फैंस ने उनको इसका आभास होने नहीं दिया। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में टी20 क्रिकेट जैसी पारी खेली और एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। बता दें कि, रोहित शर्मा दुनिया के पहले ऐसे ओपनर बन गए हैं, जिन्होंने अपनी पारी की पहली दो गेंदों में दो छक्के जड़े।

कानपुर टेस्ट में भारत की शुरुआत बेहद शानदार रही है। वहीं रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट मैच में टी20 का तड़का लगाकर सबको हैरान कर दिया। बता दें कि, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भले ही टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायमेंट ले लिया है, लेकिन फैंस ने उनको इसका आभास होने नहीं दिया। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में टी20 क्रिकेट जैसी पारी खेली और एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। बता दें कि, रोहित शर्मा दुनिया के पहले ऐसे ओपनर बन गए हैं, जिन्होंने अपनी पारी की पहली दो गेंदों में दो छक्के जड़े। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर में जारी दूसरे टेस्ट मैच में दूसरे ओवर की शुरुआत लगातार दो छक्के जड़े। उन्होंने इस मैच में एक छोटी सी, लेकिन तूफानी पारी खेली और एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। रोहित शर्मा दुनिया के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टेस्ट पारी की पहली दो गेंदों पर दो छक्के जड़े हैं। हालांकि, वे ऐसा करने वाले पहले ओपनर हैं, जबकि तीन अन्य क्रिकेटर मध्य क्रम या निचले क्रम में खेले हैं। इनमें फोफी विलियम्स का नाम शामिल हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर भी इस लिस्ट में हैं। उमेश यादव भी ये कारनामा कर चुके हैं। विलियम्स ने 1948 में जिम लैकर के खिलाफ ये कमाल किया था, जबकि 2013 में नाथन लियोन के विरुद्ध सचिन ने दो छक्के जड़े थे। उमेश यादव ने 2019 में जॉर्ज लिंडे के खिलाफ दो छक्के जड़े थे। रोहित ने आतिशी अंदाज में बल्लेबाजी करते नजर आए। उन्होंने 11 गेंदों में 23 रनों की पारी खेली इसमें 1 चौका और 3 छक्के भी शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 209.09 का था। भले ही उनकी ये पारी छोटी थी लेकिन टीम इंडिया के लिए मजबूत शुरूआत थी।

कुछ ओवरों का अभ्यास मिलना अच्छा क्योंकि आस्ट्रेलिया में काफी गेंदबाजी करनी होगी : बुमराह

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घरेलू श्रृंखला में अपना कार्यभार धीरे धीरे बढा रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि आस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में काफी गेंदबाजी करनी होगी। बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के बाद भारतीय टीम को आस्ट्रेलिया जाने से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट खेलने हैं। बुमराह ने चौथे दिन के खेल से पहले मेजबान प्रसारक से कहा ,''आस्ट्रेलिया में फिट रहने के लिये चतुर बनना होगा। इसलिये यहां कुछ ओवर अधिक मिलना अच्छा है क्योंकि वहां काफी गेंदबाजी करनी होगी।'' कानपुर टेस्ट में गीली आउटफील्ड के कारण दूसरे और तीसरे दिन का खेल नहीं हो सका। बुमराह ने कहा ,'' मौसम हमारे हाथ में नहीं है लेकिन कुछ समय आराम मिलना भी अच्छा रहा। यहां के बाद चेन्नई के हालात में तुरंत ढलना होगा।'' भारत और आस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। बुमराह ने कहा ,'' मेरा पसंदीदा प्रारूप टेस्ट है। मैं उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं।''

विराट कोहली ने सचिन तेंदुलकर का तोड़ा रिकॉर्ड

इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 27 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

कानपुर टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी की है। भारत ने महज 25 ओवर में 200 रन का आंकड़ा छू लिया। ये किसी भी टेस्ट पारी में टीम का सबसे तेज 200 रन है। इसके साथ ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। इसके अलावा भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाजी विराट कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में नई उपलब्धि हासिल की है। कानपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी की है। भारत ने महज 25 ओवर में 200 रन का आंकड़ा छू लिया। ये किसी भी टेस्ट पारी में टीम का सबसे तेज 200 रन है। इसके साथ ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। इसके अलावा भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाजी विराट कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में नई उपलब्धि हासिल की है। दरअसल, उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 27 हजार रन पूरे हो गए हैं जो कि सचिन तेंदुलकर के नाम था। बता दें कि, कानपुर टेस्ट के चौथे दिन रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने भारतीय पारी की शुरुआत बेहतरीन तरीके से की। दोनों बल्लेबाजों ने भारत को तूफानी शुरुआत देते हुए सबसे तेज 50 रन भारत के लिए पूरे किए।

इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी इस गति को बरकरार रखते हुए सबसे तेज 100 रन, सबसे तेज 150, सबसे तेज 200 और सबसे तेज 250 न बनाने का रिकॉर्ड बनाया। सबसे तेज 100 और सबसे तेज 150 रन का रिकॉर्ड पहले भी भारत के ही नाम था। उसने 2023 में पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ जड़ा था। वहीं सबसे तेज 200 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था जिसे आज भारत ने तोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ 2017 में 28.1 ओवर में सिडनी मैदान पर 200 रन जड़े थे। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ 148 गेंद यानी 24.4 ओवर में 200 रन का आंकड़ा छुआ। इस दौरान विराट कोहली अर्धशतक जड़ने से चूक गए, उन्होंने 35 गेंद में 47 रन बनाए और शाकिब अल हसन के शिकार बन गए।

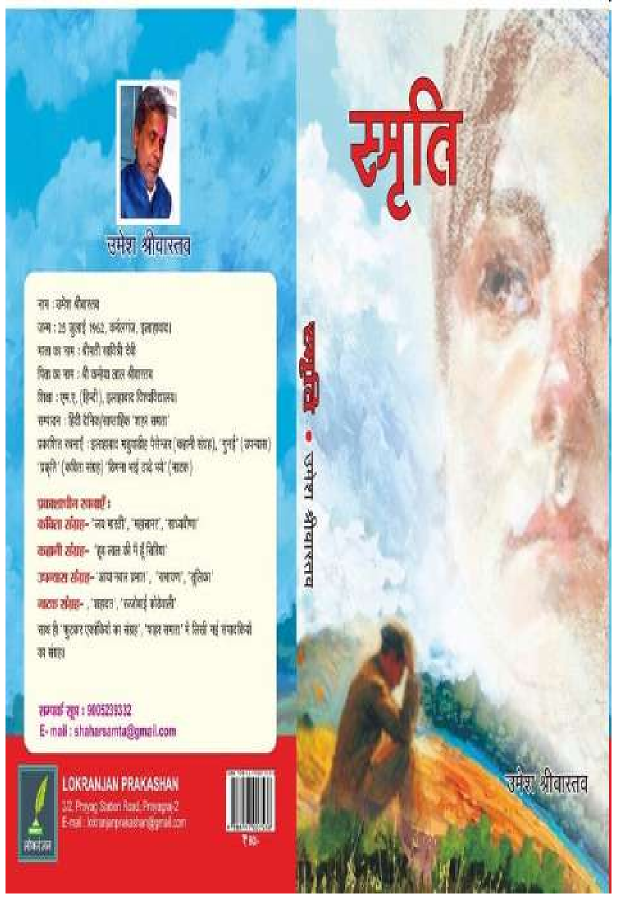

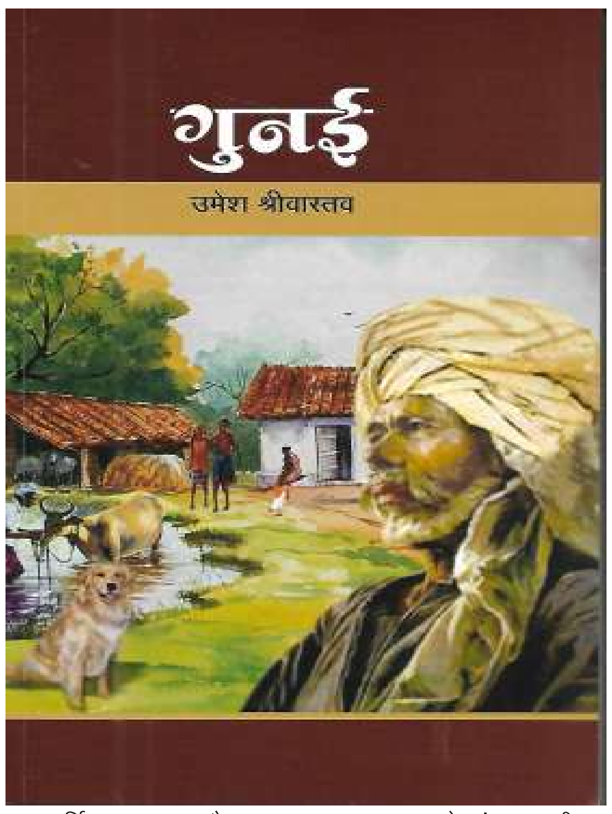

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

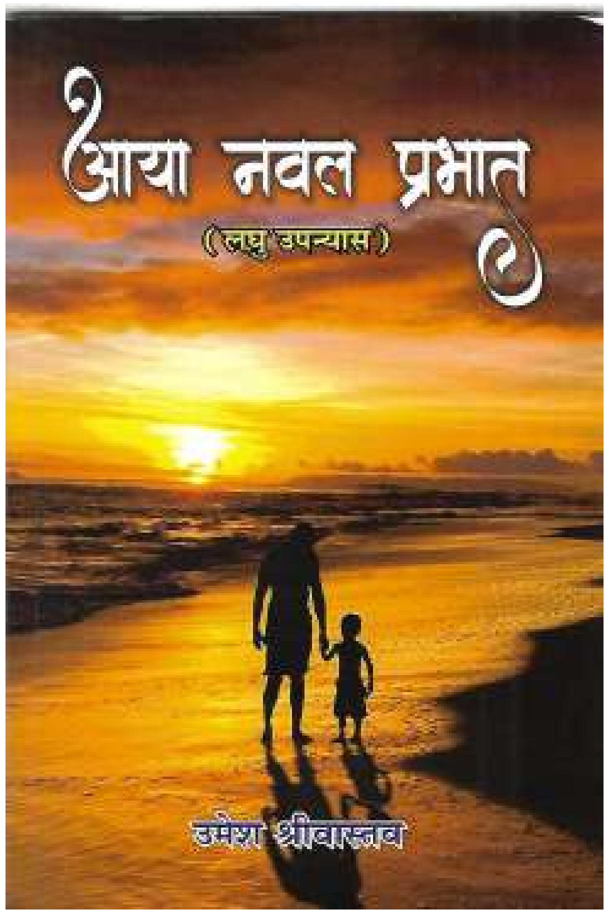

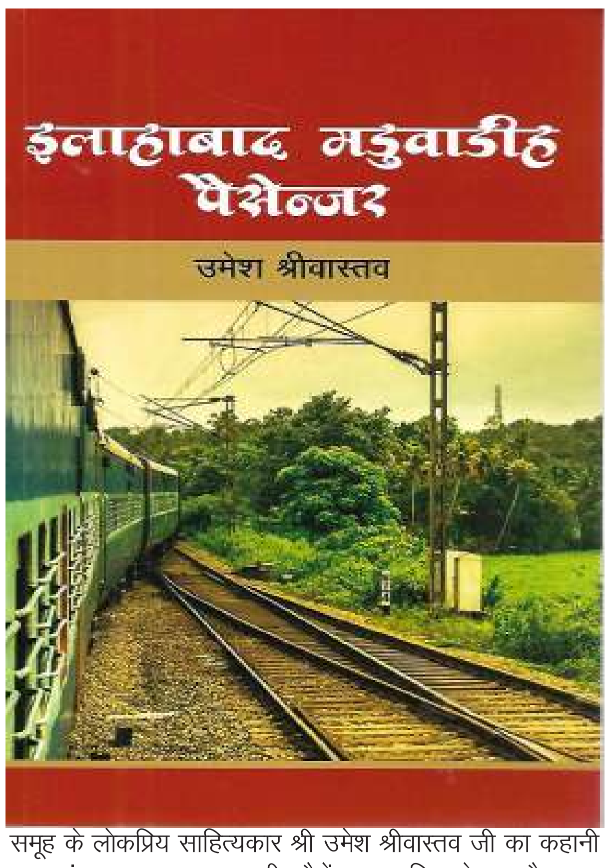

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

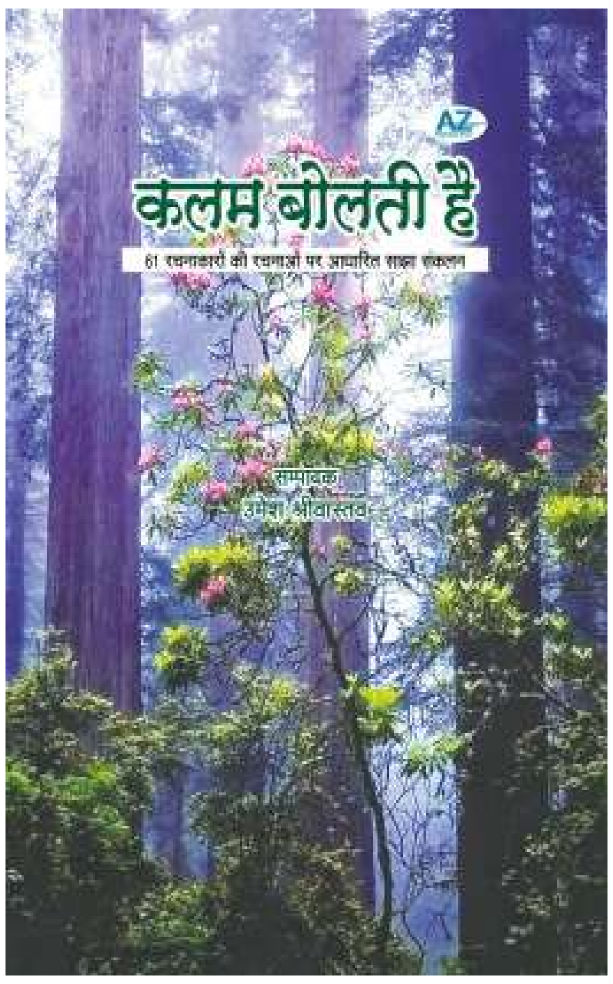

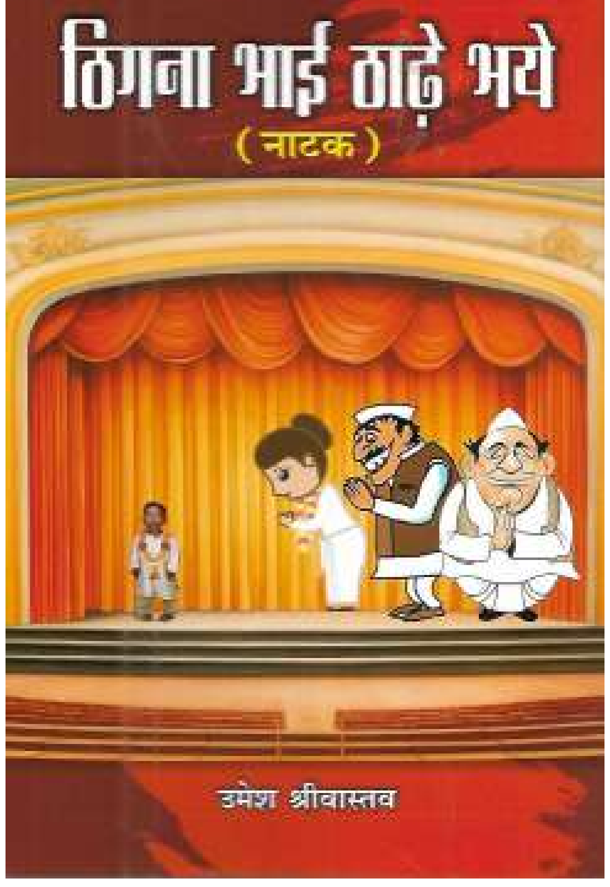

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

श्रीलंका की नौसेना ने अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में 17 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने अपने जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने के आरोप में 17 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी नौकाएं जब्त कर लीं। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी देते हुए बताया गया है कि इन 17 मछुआरों को मिला कर इस साल द्वीप राष्ट्र में ऐसी घटनाओं में पकड़े गए भारतीय नागरिकों की संख्या 413 हो गई है। श्रीलंकाई नौसेना ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मछुआरों को गिरफ्तार किया गया और रविवार को मन्नार के उत्तर में उनकी दो नौकाएं जब्त की गईं। विज्ञप्ति के अनुसार, नौसेना ने भारतीय मछुआरों को पकड़ने के लिए ''विशेष अभियान''

चलाया। इसमें कहा गया है कि पकड़े गए 17 मछुआरों को तलाईमन्नार पियर ले जाया गया और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें मन्नार मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा। बयान में कहा गया है कि श्रीलंकाई नौसेना ने ''2024 में अब तक द्वीप के जलक्षेत्र में मछली पकड़ने वाली 55 भारतीय नौकाओं को और 413 भारतीय मछुआरों को पकड़ा है और उन्हें कानूनी कार्रवाई के लिए अधिकारियों को सौंप दिया है।'' मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में एक विवादास्पद मुद्दा है। श्रीलंकाई जलक्षेत्र में कथित रूप से अवैध तरीके से प्रवेश करने के मामलों में श्रीलंकाई नौसेना के कर्मी पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी करते हैं और उनकी नौकाओं को जब्त कर लेते हैं। पाक जलडमरूमध्य, तमिलनाडु को श्रीलंका से अलग करने वाली पानी की एक संकरी पट्टी है, जो दोनों देशों के मछुआरों के लिए मछली पकड़ने का एक समृद्ध क्षेत्र है। दोनों देशों के मछुआरों को अनजाने में एक–दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के लिए अक्सर गिरफ्तार किया जाता है।

नेतन्याहू ने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी को कैबिनेट में शामिल कर अपनी स्थिति को मजबूत किया

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने गठबंधन का विस्तार करते हुए और सरकार में अपनी पकड़ मजबूत करते हुए अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी गिदोन सार को अपने मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया। नेतन्याहू ने बताया कि समझौते के तहत, सार बिना किसी विभाग के मंत्री के रूप में काम करेंगे और उस सुरक्षा कैबिनेट में शामिल होंगे जिस पर पश्चिम एशिया में इजराइल के शत्रुओं के खिलाफ जारी युद्ध के प्रबंधन की निगरानी है। सार (57) को उम्मीद थी कि वह नेतन्याहू के एक और प्रतिद्वंद्वी एवं रक्षा मंत्री योआव गैलेंट की जगह लेंगे लेकिन इजराइल की उत्तरी सीमा पर हिजबुल्ला के साथ लड़ाई तेज होने के कारण गैलेंट फिलहाल पद पर बने

रहेंगे। सार के प्रधानमंत्री के साथ तनावपूर्ण संबंध रहे हैं। वह कभी नेतन्याहू की 'लिकुड पार्टी' के उभरते सितारे थे, लेकिन चार साल पहले उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी और अपने अलग दल का गठन किया। हाल के महीनों में सार ने कहा है कि इजराइल को हमास का विनाश होने तक लड़ना चाहिए। उन्होंने हिजबुल्ला के प्रायोजक ईरान के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की। नेतन्याहू की तरह वह भी फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना का कड़ा विरोध करते हैं। नेतन्याहू और सार ने एक संयुक्त बयान में कहा कि उन्होंने राष्ट्र की भलाई के लिए अपने मतभेदों को दरकिनार कर दिया है। सार के मंत्रिमंडल में शामिल होने से 120 सीट वाली संसद में नेतन्याहू के बहुमत वाले गठबंधन के पास कुल 68 सीट हो गई हैं।

ब्रिटेन का आखिरी कोयला बिजली संयंत्र बंद, 142 साल पुरानी कोयला बिजली खत्म होगी

ब्रिटेन का आखिरी कोयला आधारित बिजली संयंत्र सोमवार को बंद हो जाएगा, जिससे देश में औद्योगिक क्रांति को जन्म देने वाली कोयला विद्युत की 142 साल पुरानी व्यवस्था समाप्त हो जाएगी। मध्य इंग्लैंड स्थित 'रैटक्लिफ–ऑन–सोर स्टेशन' अपनी

अंतिम पाली के साथ आधी रात से हमेशा के लिए विराम ले लेगा। ब्रिटेन सरकार ने 2030 तक देश के लिए समूची ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों से उत्पन्न करने के प्रयासों में एक मील के पत्थर के रूप में कोयला आधारित बिजली संयंत्र के बंद होने की सराहना की। ऊर्जा मंत्री माइकल शैंक्स ने कहा, ''संयंत्र का बंद होना एक युग के अंत का प्रतीक है और कोयला श्रमिक 140 वर्षों से अधिक समय से हमारे देश को बिजली प्रदान करने वाले अपने काम पर गर्व कर सकते हैं। एक देश के रूप में हम पीढ़ियों के प्रति ऋणी हैं।'' उन्होंने कहा, ''कोयले का युग शायद खत्म हो रहा है, लेकिन हमारे देश के लिए अच्छी ऊर्जा वाली नौकरियों का एक नया युग अभी शुरू हो रहा है।

भारत के पड़ोस में हर तरफ तबाही का मंजर, अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत

नेपाल में बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 200 के आंकड़े को पार कर गई। वहीं 30 अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। 27 सितंबर से लगातार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन ने हिमालयी राष्ट्र में तबाही मचा ही है। नेपाल पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि लगातार बारिश, बाढ़, भूस्खलन और बाढ़ में कम से कम 192 लोग मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि इस आपदा में देश भर में 94 अन्य घायल भी हुए हैं, जबकि 30 अन्य लापता हैं। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ऋषिराम तिवारी के हवाले से माय रिपब्लिका न्यूज पोर्टल ने बताया कि सरकार ने

खोज, बचाव और राहत कार्यों को उच्च प्राथमिकता दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश भर में सुरक्षा एजेंसियों को खोज, बचाव और राहत प्रयासों के लिए तैनात किया गया है और अब तक 4,500 से अधिक आपदा प्रभावित व्यक्तियों को बचाया गया है। घायलों को मुफ्त इलाज मिल रहा है, बाढ़ से प्रभावित अन्य लोगों को भोजन और अन्य आपातकालीन राहत सामग्री प्रदान की गई है। द काठमांडू पोस्ट अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पूरे देश में कई सड़कें गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई हैं, और राजधानी काठमांडू की ओर जाने वाले सभी मार्ग अभी भी अवरुद्ध हैं, जिससे हजारों यात्री फंसे हुए हैं। तिवारी ने कहा कि परिवहन फिर से शुरू करने के लिए बाधित राजमार्गों को साफ करने के प्रयास जारी हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि शुक्रवार और शनिवार को पूर्वी और मध्य नेपाल के बड़े हिस्से में लगातार बारिश के बाद काठमांडू की मुख्य नदी बागमती खतरे के स्तर से ऊपर बह रही थी। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव की प्रणाली और मानसून ट्रफ की सामान्य से अधिक उत्तरी स्थिति असाधारण तीव्र बारिश के पीछे का कारण थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि जहां जलवायु परिवर्तन पूरे एशिया में वर्षा की मात्रा और समय को बदल रहा है, वहीं बाढ़ के प्रभाव में वृद्धि का एक प्रमुख कारण अनियोजित निर्माण सहित निर्मित पर्यावरण है, विशेष रूप से बाढ़ के मैदानों पर, जो पानी बनाए रखने और जल निकासी के लिए अपर्याप्त क्षेत्र छोड़ता है।

रावलपिंडी प्रदर्शन को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर आतंकवाद का नया मामला दर्ज

इस्लामाबाद। रावलपिंडी के लियाकत बाग इलाके में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के आह्वान पर किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद पंजाब पुलिस ने उनके खिलाफ शनिवार को तीन नए मामले दर्ज किए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री पहले से ही जेल में बंद हैं। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक पर रविवार को खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर और पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर खान के साथ आतंकवाद रोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। रावलपिंडी के न्यू टाउन और सिविल लाइंस पुलिस थानों द्वारा दर्ज की गई शिकायतों में हत्या के प्रयास, धारा 144 के उल्लंघन और अन्य

आतंकवाद से संबंधित अपराधों के आरोप भी शामिल थे। आरोपों के अनुसार, एक वर्ष से अधिक समय से अदियाला जेल में बंद इमरान खान (71) ने अपने समर्थकों को राष्ट्रीय संस्थाओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए उकसाया और जेल से निर्देश जारी किए। पंजाब सरकार ने भी खान और उनके समर्थकों के खिलाफ आरोप लगाए हैं कि उन्होंने राष्ट्रीय संस्थाओं की आलोचना की, वहां तोड़फोड़ की और पथराव सहित हिंसा भड़काई। खान के समर्थकों की शनिवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पुलिस के साथ झड़प हुई थी। खान द्वारा आहूत विरोध प्रदर्शन के लिए सैकड़ों पीटीआई समर्थकों ने शहर के ऐतिहासिक लियाकत बाग पार्क तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए। पीटीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में प्रदर्शनकारियों को पुलिस पर पत्थरों और ईंटों से हमला करते तथा प्रदर्शनकारियों द्वारा पीछा किए जाने पर वे पीछे हटते देखे गए। इससे पहले खान ने ''शांतिपूर्ण विरोध'' का आह्वान किया था, जिसके मद्देनजर प्रांतीय सरकार ने सार्वजनिक समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया और शहर की ओर जाने वाली सभी प्रमुख सड़कों को बंद कर दिया। झड़प के बाद किसी भी नुकसान से बचने के लिए पार्टी ने विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया। सेना का मुख्यालय रावलपिंडी में स्थित है और विरोध प्रदर्शन का स्थान वहां से कुछ किलोमीटर की दूरी पर था। खान को पिछले साल पांच अगस्त को पाकिस्तान के चुनाव आयोग द्वारा दायर तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। तब से वह विभिन्न मामलों में जेल में बंद हैं।

इजरायल की मार के बाद रोते ईरानी अधिकारियों का वीडियो वायरल, चारों तरफ पसरा मातम

ईरान से कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं, जिससे हर कोई हैरान रह गया है। इजरायल ने जब हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया और इस हमले में हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत हो गई। इतना ही नहीं इजरायल के इसी हमले में लेबनान में मौजूद ईरान के रिव्यल्यूशनरी गार्ड के डिप्टी कमांडर की बेरूत में मौत हुई। जिसके बाद पूरे ईरान में मातम पसर गया। ऐसी तस्वीरें सामने आई जहां ईरान के बड़े सैन्य अधिकारी, नेता रोते हुए नजर आए, छाती पीटते नजर आए। कुछ इस तरह से ईरान रिव्यल्यूशनरी गार्ड के डिप्टी कमांडर की मौत के बाद मातम मनाया गया। बताया जाता है कि ईरान रिव्यल्यूशनरी गार्ड के डिप्टी कमांडर अब्बास लेबनान की राजधानी में मौजूद थे। इजरायली हमले में हसन नसरुल्लाह के साथ उनकी भी मौत हो गई। जनरल अब्बास निलफोरुशान की मौत की जब पुष्टि हो गई तो उसके बाद 29 सितंबर को उनके घर पर ईरान के सैन्य अधिकारी और दूसरे नेता पहुंचे। उन्होंने दुख जताया और मातम मनाया। इस हमले में जिस तरह का नुकसान ईरान के सहयोगियों हिजबुल्ला को हुआ है उससे मामला भड़का हुआ है। निलफोरुशान गार्ड में ऑपरेशन के लिए डिप्टी कमांडर के रूप में काम करते थे, जो कि इसके जमीनी बलों की देखरेख करने वाली भूमिका थी। लेबनान में वह क्या कर रहे थे, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया। गार्ड के अभियानों को अंजाम देने वाली कुद्स फोर्स ने दशकों से इजराइल और अमेरिका के प्रति संतुलन के रूप में क्षेत्रीय मिलिशिया पर भरोसा करने की अपनी रणनीति के तहत हिज्बुल्ला को हथियार और प्रशिक्षण दिया है। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा है कि इस तरह के हमलों को यो बर्बाद नहीं होने देंगे, जाया नहीं जाने देंगे और इसका बराबर जवाब देंगे। इस तरह की मौत का बदला लेकर रहा जाएगा। ईरान लगातार हिजबुल्लाह को समर्थन देता रहा है। इजरायल लगातार गाजा में हमास को निशाना बनाने के बाद हिजबुल्लाह से भिड़ा हुआ था। एक के बाद एक हिजबुल्लाह ने हमले किए उसके बाद इजरायल ने बहुत तीव्र कार्रवाई करते हुए हिजबुल्लाह के कई ठिकानों को बर्बाद कर दिया। इतना ही नहीं हिजबुल्लाह के टॉप टू बॉटम के नेतृत्व को खत्म करने के लिए बहुत संगठित रूप से हमले किए।

हिजबुल्लाह चीफ की मौत पर जल उठा पूरा पाकिस्तान, अमेरिकी दूतावास की ओर हिंसक भीड़...

पाकिस्तान में नसरल्लाह की मौत पर बवाल मचा हुआ है। कराची में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। वहीं प्रदर्शनकारी अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की ओर मार्च करने का प्रयास करते नजर आए। लेकिन पुलिस द्वारा रोकने पर हंगामा भी हुआ। एक तरफ प्रदर्शनकारी पथराव करते नजर आए। दूसरी तरफ से आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया जा रहा है। आतंकी के लिए पाकिस्तान की हमदर्दी इतनी बढ़ गई कि वहां कि आवाम अब अपनी ही पुलिस पर पथराव करने पर आमदा हो गई। क्या इस्लामाबाद क्या कराची नसरल्लाह की मौत पर देखते ही देखते पाकिस्तान जलने लगा। ऐसा लग रहा है कि मानो हिजबुल्लाह के नसरल्लाह की मौत लेबनान में नहीं इजरायल ने पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक कर दिया हो। हिजबुल्लाह को लेकर पाकिस्तान में मातम पसरा हुआ है। पाकिस्तानी मीडिया इजरायल के रवैये पर सवाल उठा रही है। लेकिन साथ ही इस्लामिर देशों की तरफ से कोई एक्शन नहीं लेने पर नाराजगी भी जाहिर की है। मामला शिया सुन्नी का भी है। मिडिल ईस्ट में जहां एक तरफ सऊदी अरब, यूएई जैसे देश सुन्नी बहुल हैं। वहीं दूसरी तरफ लेबनान, ईरान शिया बहुल है। यही कारण है कि सऊदी अरब अक्सर हमास और हिजबुल्लाह पर हुए हमले पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचता है। जिस पर पाकिस्तानी आवाम काफी नाराज है। इजरायल के खिलाफ इस्लामिक देशों की एकजुटता की तो बात हो रही है, लेकिन पाकिस्तान इस बात पर भी डरा हुआ है कि लेबनान जैसा अटैक कहीं उस पर न हो जाए। उसके देश में भी पेजर, वॉकी–टॉकी और फोन फटने न लग जाए। ये डर केवल पाकिस्तान सरकार में नहीं, वहां की आवाम को भी है। पाकिस्तान को इस बात का भी डर है कि भारत और इजरायल की दोस्ती से उसे नुकसान न हो जाए। वहीं यूनाइटेड

स्टेट में इजरायल ने भारत की तारीफ की है। जिससे पाकिस्तान को और भी मिर्ची लग गई है। हिजबुल्लाह पर पाकिस्तान की जनता में आक्रोश है। उनकी मांग है कि कम से कम ओआईसी के देश मिलकर न्यू वर्ल्ड ऑर्डर में इजरायल का बॉयकाट करें। जिससे इजरायल को सबक सिखाया जा सके।

पाताल में 50 फीट नीचे बैठा था नसरल्लाह, रियल इन्टेलीजेन्ट्स के जरिए मोसाद ने असंभव को संभव कर दिखाया

दुनिया के सबसे बड़े आतंकी संगठन हिजबुल्लाह को इजरायल ने उसका सबसे बड़ा घाव दिया था। इजरायल ने हिजबुल्लाह के चीफ कमांडर हसन नसरल्लाह को एयर स्ट्राइक में मार दिया। बेरूत में हुए हवाई हमले के दौरान हिजबुल्लाह के हेड क्वार्टर को निशाना बनाया गया। हमले में हसन नसरल्लाह समेत कुछ और हिजबुल्लाह कमांडरों की मौत हो गई। हमले की वजह से हिजबुल्लाह और ईरान में मातम पसरा है। लेकिन दुनिया हैरान है कि इजरायली हमलों में सिर्फ और सिर्फ हिजबुल्लाह चीफ ही कैसे मारा गया। आम जनता को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा। यानी इजरायल ने सटीक इंटेलिजेंस के साथ हमला किया कि सिर्फ आतंकी ही टारगेट हुए। बेरूत में इजरायल ने ताबड़तोड़ हमला किया। जब इन धमाकों का धुंआ छटो तो पता चला कि हसन नसरल्लाह समेत लेबनान में हिजबुल्लाह की तकरीबन पूरी लीडरशिप का सफाया हो गया है। खुद इजरायली डिफेंस फोर्स ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सैन्य अभियान का कोड नेम ऑपरेशन न्यू ऑर्डर है। हसन नसरल्लाह की मौत के बाद कुछ तस्वीरें भी वायरल हुई। एक में बेंजामिन नेतन्याहू प्लेन के अंदर फोन पर बात करते नजर आते हैं। दावा है कि यही वो वक्त जब नेतन्याहू ने बेरूत में हसन नसरल्लाह और हिजबुल्लाह हेडक्वार्टर पर हमले का ऑर्डर दिया था। एक तस्वीर मेंनेतन्याहू फोन पर बात करते नजर आते हैं। बताया जाता है कि ये फोन यूएस में नेतन्याहू को ऑपरेशन का नतीजा बताने के लिए आया था। यानी हसन नसरल्लाह की मौत की पुष्टि हो गई थी। हसन नसरल्लाह हिज्बुल्लाह की ताकत था। इस बात को हिजबुल्लाह और इज्राइल दोनों अच्छी तरह जानते थे। इसलिए, जहां एक तरफ हिज्बुल्लाह अपने नेता को बचाने के लिए तमाम कोशिशें करता रहा, वहीं इज्राइल उसे मारने के लिए तरह–तरह की रणनीति बनाता रहा। न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, नसरल्लाह को इज्राइल से खतरे को देखते हुए वह कई सालों से किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर नहीं आया था। नसरल्लाह यहां एक रिहायशी इमारत के नीचे 50 फीट से ज्यादा गहराई में बने बंकर में बैठा था। नसरल्लाह अनाम जगह से अपने विडियो जारी करता था। बावजूद, इसके इज्राइल ने को बेरूत में एफ35 विमानों से टन के 85 बम गिराए। इस नसरल्लाह समेत हिज्बुल्लाह के अन्य लीडर बेरूत के दहियेह स्थित अपने हेड क्वॉर्टर में मीटिंग कर रहे थे, जिसकी रीयल टाइम जानकारी इज्राइल को थी।

सैकड़ों अमेरिकियों की हत्या का गुनहगार, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नसरल्लाह की मौत को बताया न्याय

हिज्बुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की मौत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बयान जारी किया है। राष्ट्रपति बाइडन ने कहा है कि बीते चार दशक से आतंक के दौर में हसन नसरल्लाह और उसके नेतृत्व वाला आतंकवादी समूह हिज्बुल्लाह सैकड़ों अमेरिकियों की हत्या के लिए जिम्मेदार था। इझ्राइली हवाई हमले में नसरल्लाह की मौत उसके कई पीड़ितों के लिए एक इंसाफ है, जिसमें हजारों अमेरिकी, इझ्राइली और लेबनानी नागरिक शामिल हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने इज़राइल द्वारा हसन नसरल्लाह के खात्मे को न्याय कहा। इस भावना को उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने समर्थन किया। बाइडन ने आगे कहा है कि हमारा मकसद राजनयिक तरीकों से गाजा और लेबनान में चल रहे संघर्षों को कम करना है। हम लेबनान में एक ऐसे समझौते पर बातचीत कर रहे हैं जो लोगों को इझ्राइल और दक्षिणी लेबनान में उनके घरों में सुरक्षित वापस लौटाएगा। कमला हैरिस ने नसरल्लाह को ह्याथों पर अमेरिकी खून से रंगा आतंकवादीः कहा और कहा कि उनके नेतृत्व ने मध्य पूर्व को अस्थिर कर दिया और अनगिनत निर्दोष लोगों की हत्या हुई।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।